▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 165 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 08-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बुमराह से मिली हौसला-अफजाई से चोटों से उबरने में मदद मिली श्रेयंका को

6 गिग-वर्कर्स की परेशानियों को समझना आवश्यक

7 पर्दे पर फिर लौट रही सैयामी खेर

फर्स्ट टेक

दो करोड़ की लागत से तैयार 'सुवर्ण गीता' का आज उडुपी में विमोचन

उडुपी (कर्नाटक)/भाषा। पुत्तिगे मठ के महंत सुगणेन्द्र तीर्थ श्रीपद द्वारा दो करोड़ रुपये की लागत से तैयार 'सुवर्ण गीता' के एक विशाल संस्करण का बृहस्पतिवार को यहां औपचारिक अनावरण किया जाएगा। बुधवार को यहां मठ द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, 'सुवर्ण गीता' का विमोचन श्री व्यासराज मठ के श्री विद्याशीशतीर्थ श्रीपद करेंगे। इस 'सुवर्ण गीता' को तैयार करने में दिल्ली के कृष्ण भक्त और केंद्रीय गृह मंत्रालय के पूर्व सचिव लक्ष्मी नारायणन ने आर्थिक मदद दी है। करीब दो करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस पवित्र ग्रंथ को 'कोटि गीता लेखन यज्ञ' के उपलक्ष्य में भेंट किया जाएगा। विज्ञप्ति के मुताबिक, इस कार्यक्रम के तहत 'सुवर्ग गीता' को सोने के रथ पर रखा जाएगा और एक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी जिसके बाद राजनगना में एक औपचारिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 26 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से 13 पर कुल 65 लाख रुपए का इनाम है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की 'छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुकमा पुलिस 'पूना मार्गेम' पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान चला रही है। इससे प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार शिविर स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव से माओवादी संगठन में सक्रिय सात महिला सहित 26 माओवादियों ने आज सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण और सुरक्षाबलों के वरिष्ठ अधिकारियों सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

'धुरंधर' ने अब तक कमाए 831 करोड़

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्माता आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' देशभर में कुल 831 करोड़ रुपए से अधिक का व्यवसाय करते हुए अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। फिल्म निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। निर्माताओं ने बताया कि रणवीर सिंह अभिनीत इस फिल्म ने रिलीज के 33वें दिन मंगलवार को 5.70 करोड़ रुपए की कमाई की, जिसके बाद इसकी देशभर में कुल कमाई बढ़कर 831.40 करोड़ रुपए हो गई। इसके साथ ही यह अब तक की सभी हिंदी फिल्मों में पहले स्थान पर पहुंच गई।

सूर्यास्त	सूर्योदय
08-01-2026 5:57 बजे	09-01-2026 6:33 बजे

BSE	NSE
84,961.14 (-102.20)	26,140.75 (-37.95)

सोना	चांदी
14,238 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	283,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अस्थाई राज

इतनी भी नाराजी क्यों हैं,
सत्ता तो आनी-जानी।
ऐसी भाषा बोल रहे क्यों,
जैसे हो दुश्मन जानी।
बोलो कब ठहरा है अब तक,
बहती नदिया का पानी।
लोकतंत्र में नहीं चलेगी,
कभी किसी की मनमानी।।

भारत के 'सुधारों की एक्सप्रेस' पकड़ रही है रफ्तार : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

'परीक्षा पे चर्चा' में छात्रों से संवाद के लिए उत्सुक हूं

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह वार्षिक परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ परीक्षाओं के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह परीक्षा योद्धाओं से ऐसे सवाल और अनुभव सुनने के लिए उत्सुक हैं, जो दूसरों को प्रेरित कर सकें। उन्होंने कहा, दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं और इस साल की परीक्षा पे चर्चा भी।

प्रधानमंत्री ने कहा, परीक्षाओं के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं, विशेष रूप से परीक्षा के तनाव को दूर करने के तरीकों, शांत और आत्मविश्वासी बने रहने और मुस्कुराते हुए परीक्षा देने के तरीकों पर। भारत और 26 देशों से लगभग 45 लाख उम्मीदवारों के कक्षा 10वीं और 12वीं के 204 विषयों में परीक्षा के लिए शामिल होने के उम्मीद है। सीबीएसई की परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू होने की संभावना है।

'परीक्षा पे चर्चा' के नौवें संस्करण के लिए 375 करोड़ छात्रों सहित चार करोड़ से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। 'परीक्षा पे चर्चा' के लिए पंजीकरण 11 जनवरी को समाप्त होगा।।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक वृद्धि दर के 7.4 प्रतिशत रहने के अनुमान पर बुधवार को कहा कि राजग सरकार की निवेश नीतियों के चलते भारत की 'सुधार एक्सप्रेस' रफ्तार पकड़ रही है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत की सुधार एक्सप्रेस लगातार रफ्तार पकड़ रही है। यह राजग सरकार के व्यापक निवेश प्रोत्साहन और मांग-आधारित नीतियों के कारण संभव हो पा रहा है।''

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से जारी पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 7.3 प्रतिशत के अनुमान और सरकार के शुरुआती अनुमान 6.3 से 6.8 प्रतिशत से बेहतर है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''चाहे वह बुनियादी ढांचा हो, विनिर्माण प्रोत्साहन हो, डिजिटल सार्वजनिक उत्पाद हों या 'कारोबारी सुगमता', हम एक समृद्ध भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए काम कर रहे हैं।''

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा

तमिलनाडु में हिंदुओं की स्थिति को लेकर सरासर झूठ बोल रहे हैं शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिंडीगुल/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह आरोप कि तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत है और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यहां एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों के लोगों की आस्थाओं का सम्मान करती है और उनके धार्मिक अधिकारों की रक्षा करती है। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु जैसे राज्य में गृह मंत्री का यह आरोप कि हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। सच तो यह है कि राज्य में दंगे और विभाजन पैदा करने की मंशा रखने वालों की मानसिकता सफल नहीं हुई है।'' स्टालिन ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की घटना कभी नहीं होगी और ''हम इसे होने नहीं देंगे।''

सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष ने कहा, ''जब तक यह स्टालिन यहां है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''तमिलनाडु में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी शाह को नहीं है। अब तक हमारी सरकार ने 4,000 मंदिरों का प्रतिष्ठापन किया है। क्या आपने अपने राज्यों में ऐसा किया है? यकीनन, आपने नहीं किया होगा। इसके अलावा, 997 मंदिरों से संबंधित 7,701 करोड़ रुपये (7,655 एकड़ भूमि) की संपत्ति वापस प्राप्त कर ली गई है और सच्चे श्रद्धालु सरकार के इस कार्य की सराहना करते हैं।''

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु की यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने न केवल आरोप लगाए हैं बल्कि वही सवाल पूछे हैं जो हमें पूछना ज़रूरी था। उन्होंने कहा, ''उन्होंने हमारा काम आसान कर दिया है और इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं।

एसआईआर का दूसरा चरण

12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से

करीब 6.5 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग द्वारा नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के तहत करीब 6.5 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 27 अक्टूबर को एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई थी और तब कुल 50.90 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। हालांकि अलग-अलग प्रकाशित मसौदा मतदाता सूचियों में मतदाताओं की संख्या घटकर 44.40 करोड़ रह गई है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों के नाम सूची से हटाए गए हैं, उन्हें 'एएसडी' यानी अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत/नाम में दोहराव की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने पहले उपलब्ध रुझानों का हवाला देते हुए कहा था कि एसआईआर की प्रक्रिया में शामिल राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में गणना प्रपत्रों का संग्रह 'काफी कम' रहा है। उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया के बाद मंगलवार को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इसके मुताबिक राज्य में अब 12.55 करोड़ मतदाता हैं। आयोग ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले सूचीबद्ध 15.44 करोड़ मतदाताओं में से 2.89 करोड़ (करीब 18.70 प्रतिशत)मतदाताओं के नाम मृत्यु, स्थायी प्रवास या एकाधिक पंजीकरण के कारण मसौदा सूची में शामिल नहीं किए जा सके।

वैश्विक राजनीति को स्थिर करने के लिए

भारत, फ्रांस को मिलकर काम करना चाहिए : जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया में उथल-पुथल वाले भू-राजनीतिक माहौल के मद्देनजर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि वैश्विक राजनीति को स्थिर करने के लिए भारत और फ्रांस का साथ मिलकर काम करना महत्वपूर्ण हो गया है। विदेश मंत्री ने पेरिस में अपने फ्रांसीसी समकक्ष ज्यां-नोएल बैरोट के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। दोनों विदेश मंत्रियों ने मुख्य रूप से एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अगले महीने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के लिए आधार तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया।

2027 की जनगणना का पहला चरण अप्रैल से सितंबर के बीच होगा

नई दिल्ली/भाषा। जनगणना 2027 का पहला चरण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में घरों की सूची बनाने के अभियान के साथ इस वर्ष एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच होगा। बुधवार को जारी एक सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। इस दौरान, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा 30 दिन की अवधि निर्दिष्ट की गई है।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि घरों की सूची बनाने का 30 दिन का अभियान शुरू होने से ठीक पहले 15 दिनों की अवधि में स्व-गणना कराने का विकल्प भी होगा। हर दस वर्षों में होने वाली जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। यह पहले 2021 में होनी थी। जनगणना करने की यह कवायद दो चरणों में संपन्न की जाएगी -- अप्रैल से सितंबर 2026 तक घरों की सूची बनाना और आवास गणना, और फरवरी 2027 में आबादी की गणना।

वेनेजुएला के तेल टैंकरों पर किया अमेरिका ने कब्जा

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका ने उत्तरी अटलांटिक और कैरेबियन में एक के बाद एक की गई दो कार्रवाइयों में वेनेजुएला से जुड़े दो प्रतिबंधित तेल टैंकरों को जब्त कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अमेरिक-यूरोपीय कमान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में 'अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन' के आरोप में व्यापारिक पोत बेला-1 को जब्त करने की घोषणा की। अमेरिका पिछले महीने से इस टैंकर का पीछा कर रहा था, क्योंकि इसने वेनेजुएला के आसपास प्रतिबंधित तेल जहाजों पर अमेरिकी नाकेबंदी से बचने की कोशिश की थी। इसके बाद, अमेरिका की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने खुलासा किया कि अमेरिकी सेना ने कैरिबियन में टैंकर सोफिया पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। नोएम ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों जहाज ''या तो आखिरी बार वेनेजुएला में रुके थे या उसकी ओर जा रहे थे।'' एक अमेरिकी अधिकारी ने बुधवार को एसोसिएटेड प्रेस को पहचान जाहिर नहीं होने के अनुरोध के साथ बताया कि अमेरिकी सेना ने बेला-1 को जब्त कर लिया और बाद में इसका नियंत्रण कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सौंप दिया।

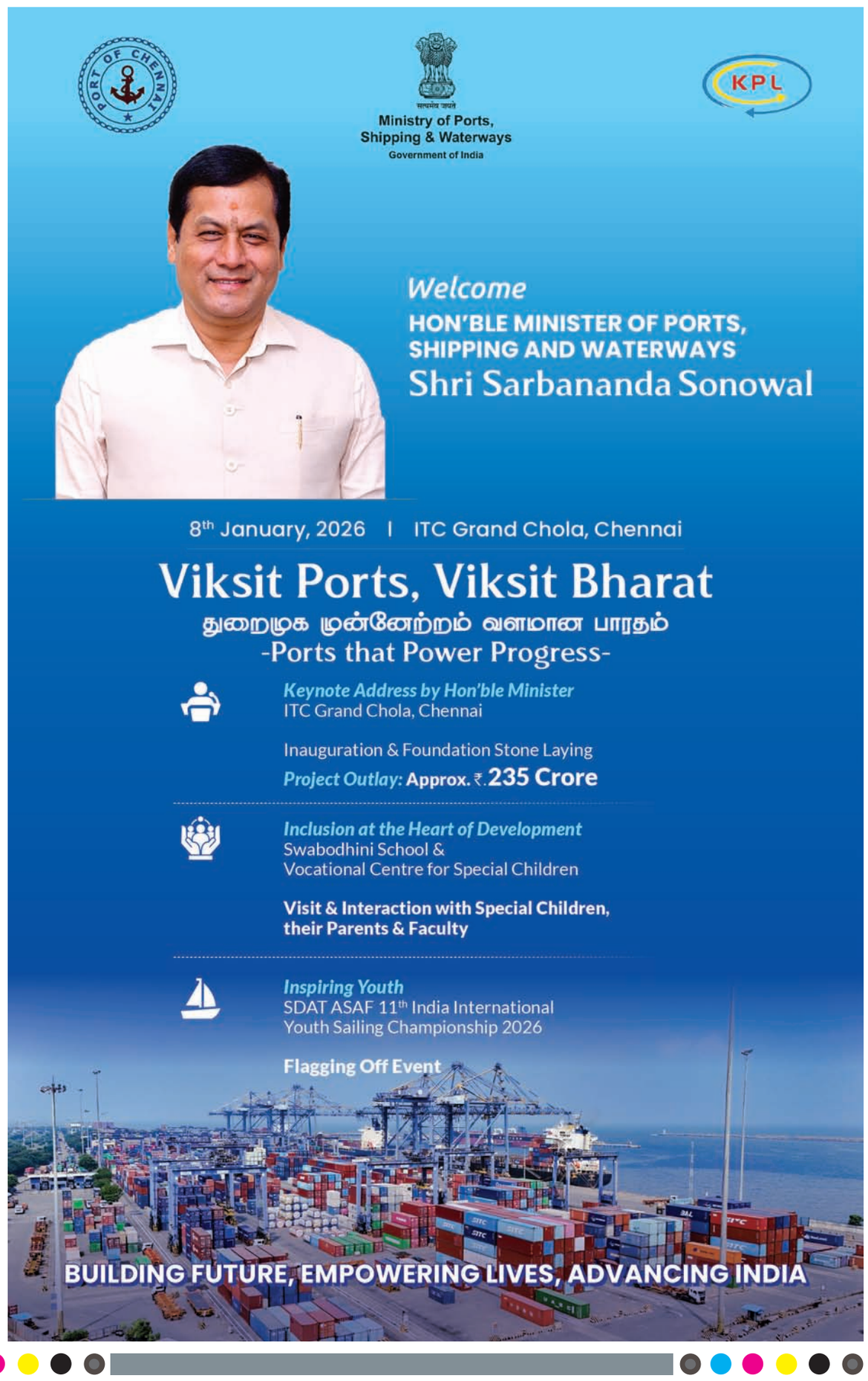

अंगदान

बुधवार को जारी इस तस्वीर में गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी गांधीनगर में अंगदान चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित अंगदान जागरूकता कार्यक्रम के दौरान।

एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रम में बदलाव करेंगे आईआईटी

नई दिल्ली/भाषा। प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रमों को आईआईटी परिषद की बैठक के बाद नया रूप दिया जाना तय है। अधिकारियों का दावा है कि इन कार्यक्रमों द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों का पूरा उपयोग नहीं किया जा रहा है। देश के 23 प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों की सर्वोच्च समन्वय संस्था, आईआईटी परिषद ने यह निर्णय पिछले वर्ष अगस्त में हुई अपनी बैठक में लिया। यह बैठक दो वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद आयोजित की गई थी। जेईई एडवांस्ड परीक्षा को एक बेहतर और कम तनावपूर्ण मूल्यांकन वाला बनाने के उद्देश्य से, आईआईटी परिषद ने परीक्षा को अनुकूल बनाने की संभावना तलाशने की सिफारिश की, जिसमें उम्मीदवार की क्षमता के अनुसार प्रश्न वास्तविक समय में स्वतः तैयार किए जाएंगे।

'तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत को आयात घटाना और निर्यात बढ़ाना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि अगर भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसे आयात घटाने और निर्यात बढ़ाने पर खास ध्यान देना होगा।

गडकरी ने सीएसआईआर के 'प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समारोह' को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि अपशिष्ट (एग्रो-वेस्ट) को उपयोगी संसाधन में बदला जा सकता है, जिससे न केवल किसानों को फायदा होगा बल्कि कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता भी कम की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में पेट्रोलियम-रहित घटक बायो-बिटुमेन का इस्तेमाल 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में एक रूपांतरकारी कदम है।

गडकरी ने कहा, एग्रो-वेस्ट के उपयोग से पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण घटेगा और संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल पर आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यदि वाहन ईंधन में 15 प्रतिशत मिलावट की जाए तो भारत करीब 4,500 करोड़ डॉलर की विदेशी मुद्रा बचा सकता है और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता में बड़ी कमी आ सकती है।

गडकरी ने कहा कि फिलहाल दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत को तीसरे स्थान पर पहुंचने के लिए अपना आयात घटाने और निर्यात को बढ़ाने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि भारत व्यावसायिक स्तर पर बायो-बिटुमेन का उत्पादन शुरू करने वाला दुनिया का पहला देश है। इससे किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे, ग्रामीण रोजगार बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मंत्री ने बायो-बिटुमेन के इस्तेमाल को टिकाऊ विकास, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार वृद्धि की दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया।

गडकरी ने कृषि और निर्माण उपकरण विनिर्माताओं से वैकल्पिक ईंधन और फ्लेक्स-इंजन आधारित वाहनों को बढ़ावा देने की अपील की।

उन्होंने बताया कि सरकार ने हरित हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में 10 राजमार्ग खंड चिन्हित किए हैं। लेकिन उन्होंने हाइड्रोजन ईंधन के परिवहन को एक बड़ी चुनौती बताया।

गडकरी ने कहा कि भारत को ऊर्जा का आयातक नहीं, बल्कि निर्यातक बनना चाहिए। गडकरी ने कहा कि देश हर साल करीब 22 लाख करोड़ रुपए जीवाश्म ईंधन के आयात पर खर्च करता है, जिसकी वजह से प्रदूषण की समस्या भी बढ़ रही है।

'अंतरिक्ष संस्थानों का नेतृत्व संभालने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय खगोलभौतिकी संस्थान (आईआईए) की निदेशक प्रोफेसर अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम ने बुधवार को कहा कि भारतीय अंतरिक्ष संस्थानों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, लेकिन उन्हें नेतृत्व संभालने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

आईआईए की पहली महिला निदेशक प्रोफेसर सुब्रमण्यम ने यहां भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) में आयोजित 'एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया' (एएसआई) की पांचवीं संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि महिलाओं को संस्थागत और पारिवारिक स्तर पर अधिक समर्थन की जरूरत है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, अंतरिक्ष अन्वेषण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के साथ भारत लगातार प्रगति कर रहा है, लेकिन शीर्ष नेतृत्व स्तर पर उनकी उपस्थिति अभी कम है।

प्रोफेसर सुब्रमण्यम ने कहा कि लचीले कार्य घंटों जैसी सहायक संगठनात्मक नीतियां अधिक से अधिक महिलाओं को अपना करियर जारी रखने के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं। उन्होंने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी पर बात करते हुए कहा कि देश अपने प्रशिक्षित और कुशल मानव संसाधनों का लगभग 50 प्रतिशत खोने का जोखिम नहीं उठा सकता और देश की बेहतरी के लिए महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाओं में शामिल किया जाना चाहिए।

मॉरीशस के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल ने तिरुपति मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरुपति/भाषा। मॉरीशस के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल ने बुधवार को तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। टीटीडी के अधिकारियों ने गोखूल का स्वागत किया और उन्हें मंदिर में दर्शन के लिए ले गए।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''गोखूल ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। इससे पहले टीटीडी के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और उन्हें दर्शन के लिए ले गए थे।'' दर्शन के बाद, टीटीडी के अधिकारियों ने उन्हें (मॉरीशस के राष्ट्रपति को) रंगनायकुला मंडपम में रेशमी वस्त्र, प्रसाद और भगवान वेंकटेश्वर की एक तस्वीर प्रदान की। टीटीडी तिरुपति में स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक निकाय है।

सरकार का फरवरी में संसद में बीज विधेयक पेश करने का लक्ष्यः कृषि सचिव

नई दिल्ली/भाषा। कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार ने बजट सत्र के पहले चरण में फरवरी में संसद में बीज विधेयक 2025 पेश करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' हमें बीज विधेयक 2025 के लिए सुझावों सहित 9000 आवेदन प्राप्त हुए हैं। हम इन पर विचार करेंगे और 'कैबिनेट नोट' में इन्हें शामिल करेंगे। हमारा लक्ष्य इस विधेयक को बजट सत्र के पहले चरण में पेश करना है।''

सचिव ने कहा कि मंत्रालय संसद के अवकाश के बाद कीटनाशक प्रबंधन विधेयक 2020 को पेश करने की योजना बना रहा है।

बीज विधेयक, 1966 के बीज अधिनियम का स्थान लेगा। इसमें गुणवत्ता और पैकेट पर क्यूआर कोड जैसे आधुनिक मानकों के साथ 'ट्रेसबिलिटी' सुनिश्चित करने के लिए बीज किस्मों, डीलर और उत्पादकों के लिए अनिवार्य पंजीकरण का प्रावधान है।

इसमें निगरानी के लिए केंद्रीय एवं राज्य बीज समितियों की स्थापना का भी प्रावधान है। साथ ही किसानों को बिना पंजीकरण के कृषि में संरक्षित बीजों को रखने और आदान-प्रदान करने की अनुमति दी गई है।

व्यक्तिगत तौर पर उल्लंघनों के लिए जुर्माना एक लाख रुपए से 30 लाख रुपए तक से लेकर कारावास तक हो सकता है। यह मामले की गंभीरता के आधार पर लगाया जाएगा। इसमें तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

भगवान सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत पंडित नेहरू को थीः भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सोमनाथ मंदिर को अतीत में महमूद गजनी और अलाउद्दीन खिलजी ने लूटा था, लेकिन स्वतंत्र भारत में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भगवान सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत थी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट कर आरोप लगाया कि नेहरू अपनी तुष्टीकरण की अंधी राजनीति के कारण स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण नहीं चाहते थे, जिसके अनुसरण में उन्होंने मुगल आक्रांताओं का महिमामंडन करने से भी परहेज नहीं किया। भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने प्रथम प्रधानमंत्री के पत्रों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि नेहरू ने पाकिस्तानी दुष्प्रचार का सामना करने या भारत की सभ्यतागत स्मृति का बचाव करने के बजाय, हिंदू धर्म के ऐतिहासिक प्रतीकों को कम महत्व देकर पाकिस्तान को ''खुश'' करने का विकल्प चुना और ''आंतरिक आत्मविश्वास के बजाय बाहरी तुष्टीकरण'' को प्राथमिकता दी। त्रिवेदी ने कहा, ''अतीत में सोमनाथ को महमूद गजनी और खिलजी ने लूटा था, लेकिन आजाद भारत में पंडित नेहरू को भगवान सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत थी।''

उन्होंने कहा कि इसका सबसे ''उल्लेखनीय उदाहरण'' पंडित नेहरू द्वारा 21 अप्रैल, 1951 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को लिखा गया पत्र है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि नेहरू ने खान को ''प्रिय नवाबजादा'' कहकर संबोधित किया और सोमनाथ मंदिर के दरवाजों की कहानी को ''पूरी तरह से झूठा'' बताया।

हिमाचल प्रदेशः आग में 200 साल पुराना जुन्गा महल जलकर खाक हो गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। शिमला से लगभग 26 किलोमीटर दूर जुन्गा में स्थित 200 साल पुराना एक ऐतिहासिक महल बुधवार को भीषण आग की चपेट में आने से नष्ट हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों के अनुसार, दोपहर करीब 1:00 बजे जे भड़की इस भीषण आग ने कुछ ही समय में पूरे महल को अपनी चपेट में ले लिया।

उन्होंने बताया कि आग लगने के सटीक कारण और इस घटना में हुए कुल नुकसान का अभी पता लगाया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, इस महल का निर्माण 1800 के दशक में तत्कालीन क्योंथल रियासत के शासकों ने करवाया था।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला जरूरी मुद्दों पर चुप हैं, पीडीपी की आलोचना में व्यस्त हैं : महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को केंद्रशासित प्रदेश के लोगों से जुड़े मुद्दों पर चुप्पी साधने को लेकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर निशाना साधा।

महबूबा ने अपने पिता एवं पीडीपी के संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद की दसवीं पुण्यतिथि पर दिए गए संक्षिप्त भाषण में कहा कि महबूबा उनकी पार्टी (पीडीपी) के प्रति जरूरत से ज्यादा जुनूनी हैं और अपना ज्यादातर समय केवल उसकी आलोचना करने में ही व्यस्त रहते हैं।

महबूबा मुफ्ती ने कहा, ''आज, यदि कोई युवा अपनी बात रखता है तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाता है। हजारों लोग (विभिन्न) जेलों में बंद हैं। जब मैं इन मुद्दों को लेकर अदालत गई तो मुझसे कहा गया कि मैं कौन होती हूं इस पर बोलने वाली। यदि हम आवाज नहीं उठाएंगे तो फिर कौन उठाएगा?''मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, ''यह उमर की जिम्मेदारी थी, मेरी नहीं, लेकिन मुझे नहीं पता वह (मुख्यमंत्री) अपने 50 विधायकों और कई सांसदों के साथ किस दुनिया में रहते हैं कि वह इन मुद्दों पर बात ही नहीं करते? वह सिर्फ पीडीपी की आलोचना करते हैं, वह पीडीपी के प्रति जुनूनी हैं।''

भारत की जीडीपी वृद्धि अगले वित्त वर्ष में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमानः रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। विदेशी ब्रोकरेज कंपनी गोल्डमैन शैक्स ने वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है, जो चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित 7.3 प्रतिशत दर से कम होगी। हालांकि, सरकार की तरफ से बुधवार को जारी राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। गोल्डमैन शैक्स की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई बढ़ने की आशंका को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास आगे ब्याज दरों में कटौती की सीमित गुंजाइश बचेगी। रिपोर्ट कहती है, हमें वर्ष 2026 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026-27 में 6.8 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने वाले निजी पूंजीगत व्यय या नए निवेश पिछले कुछ वर्षों में सुस्त रहे हैं। इसके अलावा वर्ष 2025 में अमेरिका की ओर से लगाए गए उच्च शुल्क का भी पूंजीगत व्यय पर असर पड़ा।

आंध्र प्रदेश : टोल प्लाजा के निकट बस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोव्वुरु (आंध्र प्रदेश)/भाषा। विशाखापत्तनम जा रही एक बस में बुधवार तड़के पूर्वी गोदावरी जिले के गमन ब्रिज टोल प्लाजा के निकट आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

चालक की सूझबूझ से बस में सवार सभी 10 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को वाहन के आग की चपेट में आने से पहले सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस के अनुसार, बस जब रात लगभग दो बजे टोल प्लाजा के निकट पहुंची, तभी उसमें आग लग गई।

एक पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर चालक का कहना है कि डायनामो में आई तकनीकी खराबी के कारण आग लगी। टोल प्लाजा के निकट बस रोकने के बाद चालक ने इंजन की जांच की, जहां उसे चिंगारियां दिखाई दीं। इसके बाद उसने तुरंत यात्रियों और कर्मचारियों को सतर्क किया, जो तुरंत बस से उतर गए। पुलिस ने कहा कि चालक की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। चालक दल ने लगभग 10 मिनट के भीतर यात्रियों को उनके सामान सहित सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अधिकारियों ने प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था की, जबकि यातायात को नियंत्रित किया गया और आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच शुरू की गई।

जम्मू-कश्मीरः कठुआ में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के एक दूरदराज के गांव में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ बुधवार शाम बिलावर के काहोग गांव में उस समय शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने दो. तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद तलाशी अभियान चलाया। जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एसओजी कठुआ ने कठुआ के कमाध नाला के जंगल में आतंकवादियों से मुठभेड़ की है।

सूत्रों के मुताबिक, शाम करीब चार बजे बिलावर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत कमाध नाला में स्थानीय लोगों ने एक आतंकवादी को देखा। सूत्रों ने कहा, यह वही आतंकवादी हो सकता है जिसे आज सुबह धन्नू पैरोल पर देखा गया था। अधिकारियों ने कहा आतंकवादियों को मार गिराने के लिए अतिरिक्त बल को गांव में भेजा गया है।

वैज्ञानिकों ने एआई आधारित मॉडल बनाया, नींद के आंकड़ों से बीमारी के खतरे का लगायेगा पता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अनुसंधानकर्ताओं ने कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल करके एक मॉडल बनाया है जो नींद के आंकड़ों से 100 से अधिक अलग-अलग स्वास्थ्य स्थिति के खतरे का अनुमान लगा सकता है। एक शोध में इसकी जानकारी दी गई है।

इस मॉडल को 'स्लीपएफएम' नाम दिया गया है, जिसे अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं समेत अन्य लोगों ने मिलकर बनाया है। इस अनुसंधान में 65,000 लोगों ने हिस्सा लिया और उनसे एकत्र किए गए करीब छह लाख घंटे के नींद के आंकड़ों पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। 'नेचर मेडिसिन' नामक पत्रिका में छपे एक पेपर में बतायी गई इस कृत्रिम मेधा प्रणाली को शुरू में नींद के विश्लेषण से जुड़े मानक कार्यों पर परखा गया था, जैसे नींद के अलग-अलग चरण को रिकार्ड करना या स्लीप एपनिया की गंभीरता का पता लगाना। इसके बाद इस मॉडल का इस्तेमाल नींद के आंकड़ों का विश्लेषण करके भविष्य में होने वाली बीमारी का अनुमान लगाने के लिए किया गया, जिसमें हेल्थ रिकॉर्ड का डेटा एक स्लीप क्लिनिक से लिया गया था। अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि स्वास्थ्य रिकॉर्ड में 1,000 से ज़्यादा बीमारियों की श्रेणी रखी गईं और मरीज के सोने के आंकड़ों का इस्तेमाल करके 130 बीमारियों का अंदाज़ा सटीकता से लगाया जा सका। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के 'मनोरोग एवं व्यवहार विज्ञान' विभाग में स्लीप मेडिसिन के प्रोफेसर और सीनियर लेखक इमैनुएल मिग्नोट ने कहा, 'जब हम नींद का अध्ययन करते हैं तो हम बहुत सारे सिग्नल रिकॉर्ड करते हैं। यह एक तरह की जनरल फिजियोलॉजी है जिसका हम एक ऐसे व्यक्ति पर आठ घंटे तक अध्ययन करते हैं जो पूरी तरह से हमारे कंट्रोल में होता है। इसमें बहुत सारा डेटा होता है।''

पॉलीसोम्नोग्राफी - जिसे नींद के अध्ययन में गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है - नींद का डेटा इकट्ठा करने का एक आम तरीका है जो सेंसर का इस्तेमाल करके दिमाग की एक्टिविटी, दिल के काम, सांस के सिग्नल और आंखों की हरकतों के साथ-साथ दूसरी चीज़ों को रिकॉर्ड करता है। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि एआई मॉडल कई तरह के डेटा को शामिल करने में सक्षम था - जैसे इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राफी (दिमाग की इलेक्ट्रिकल एक्टिविटी), इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी, इलेक्ट्रोमायोग्राफी (मांसपेशियों की इलेक्ट्रिकल एक्टिविटी), पल्स रीडिंग और सांस लेने का एयरफ्लो - और यह पता लगाने में कि वे एक-दूसरे से कैसे जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि एआई प्रणाली के अनुमान कैंसर, प्रेग्नेंसी की दिक्कतों, सर्कुलेटरी बीमारियों और मेंटल डिसऑर्डर के लिए खास तौर पर बहुत अच्छे पाए गए।

बेहतर करियर के लिए 52% भारतीयों ने जताई विदेश जाने की मंशा : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि बेहतर करियर एवं पैसे कमाने के लिए युवाओं में भारत से विदेश जाने का मजबूत रुझान देखा गया है। सर्वेक्षण में शामिल आधे से अधिक प्रतिभागियों ने विदेश जाने के बारे में मंशा जतायी।

एआई-सक्षम वैश्विक प्रतिभा आवाजाही मंच टर्न ग्रुप के हाल के एक सर्वेक्षण में 52 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विदेश जाने पर विचार करने या इसकी सक्रिय तैयारी करने की बात कही। यह सर्वेक्षण देशभर में करीब 8,000 लोगों से बातचीत पर आधारित है।

सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, वित्तीय विकास भारत से बाहर जाने का सबसे बड़ा कारण बनकर उभरा। करीब 46 प्रतिशत लोगों ने इस वजह से विदेश जाने की मंशा जताई।

इसके बाद बेहतर करियर की तलाश के लिए 34 प्रतिशत लोग विदेश जाने को तैयार दिखे। इसके अलावा व्यक्तिगत सपने और वैश्विक अनुभव भी क्रमशः नौ प्रतिशत और चार प्रतिशत उत्तरदाताओं के लिए कारण रहे।

रिपोर्ट कहती है कि विदेशी प्रवास को लेकर भारतीयों की पसंद में भी बदलाव आ रहा है। करीब 52 प्रतिशत लोगों ने समय के साथ अपनी पसंदीदा जगह बदली है, जबकि 43 प्रतिशत ने अंतरराष्ट्रीय अवसरों के लिए स्पष्ट प्राथमिकता जताई।

जर्मनी 43 प्रतिशत लोगों की पसंद के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद ब्रिटेन 17 प्रतिशत, जापान नौ प्रतिशत और अमेरिका चार प्रतिशत लोगों की पसंद रहा।

विदेश जाने की इच्छा रखने वाली भारतीय नर्सों के रुझान में क्षेत्रीय विविधता भी देखने को मिली। विदेश जाने वाली 61 प्रतिशत नर्सें प्रमुख महानगरों से बाहर से संबंधित हैं जबकि दिल्ली-एनसीआर से 17 प्रतिशत नर्सों ने विदेश जाने की बात कही।

हालांकि, करियर एवं पैसे के लिए विदेश जाने की राह में चुनौतियां बनी हुई हैं। भाषा की जरूरतों को 44 प्रतिशत लोगों ने सबसे बड़ी बाधा बताया। इसके अलावा, अनैतिक भर्ती, मार्गदर्शन का अभाव, अधिक खर्च और लंबी प्रक्रियाएं भी प्रमुख समस्याओं के रूप में उभरीं।

टर्न ग्रुप के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अविनव निगम ने कहा, भारतीय प्रतिभा वैश्विक करियर के लिए तैयार है लेकिन इसके लिए पारदर्शी, नैतिक और शून्य-शुल्क वाली भर्ती व्यवस्था जैसे समर्थनकारी कदम उठाने की जरूरत है।

डिंडीगुल में 1,595 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का मुख्यमंत्री स्टालिन ने किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को डिंडीगुल कलेक्ट्रेट परिसर में एक बड़े सरकारी कल्याण और विकास कार्यक्रम की अध्यक्षता की। जिले में होने वाले सबसे बड़े कल्याण कार्यक्रमों में से एक इस कार्यक्रम में, मुख्यमंत्री 1,595 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कई विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इनमें 111 पूरी हो चुकी परियोजनाएं और 212 नई स्वीकृत परियोजनाएं शामिल हैं, जो कई विभागों से संबंधित हैं और इनका मकसद पूरे जिले में आधारभूत संरचना, सार्वजनिक सेवाओं और सामाजिक कल्याण को मजबूत करना है। कल्याण वितरण अभियान के तहत, सीएम स्टालिन अलग-अलग विभागों के लगभग 30,000 लाभार्थियों को सरकारी सहायता देंगे। इसके अलावा, लगभग 1.02 लाख लाभार्थियों को जमीन के मालिकाना हक के दस्तावेज (पट्टे) बांटे जाएंगे, जिससे हजारों परिवारों को बहुप्रतीक्षित कानूनी सुरक्षा मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री अलग-अलग सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए एग्जिबिशन हॉल का उद्घाटन किया और निरीक्षण किया, जिनमें डिंडीगुल जिले में लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं और विकास पहलों को दिखाया जाएगा। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण राज्य परिवहन निगम द्वारा जिले में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को मजबूत करने के लिए शुरू की गई नई बसों को हरी झंडी दिखाना है। मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम के लिए मदुरै से डिंडीगुल तक सड़क मार्ग से पहुंचे। यहां पहुंचने पर ग्रामीण विकास मंत्री आई. पेरियासामी, खाद्य मंत्री आर. चक्रपाणि, जिला कलेक्टर सरवनन और विधायकों ई.पी. सेंथिल कुमार और गांधीराजन सहित अन्य लोग उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। डिंडीगुल-मदुरै रोड पर पांडियाराजपुरम से कलेक्ट्रेट तक 38 किलोमीटर के रास्ते पर शानदार स्वागत की तैयारियां की गई थीं। डीएमके के पदाधिकारी, पार्टी के कार्यकर्ता और आम लोग मुख्यमंत्री का स्वागत करने के लिए रास्ते में लाइन लगाकर खड़े होंगे। रास्ते में छह तय जगहों पर स्वागत के लिए इंतजाम किया गया। मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारी कई दिनों से चल रही है। मुख्यमंत्री, मंत्रियों और दूसरे खास लोगों के लिए एक बड़ा और अच्छी सुविधाओं वाला स्टेज बनाया गया है, जबकि लाभार्थियों और आम जनता के लिए एक बड़ा मंडप बनाया गया है, ताकि यह हाई-प्रोफाइल सरकारी कार्यक्रम आसानी से हो सके।

सहायता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के वल्लुवर कोट्टम में बुधवार को तमिलनाडु कौशल विकास निगम द्वारा आयोजित एक समारोह में, स्किल तमिलनाडु 2025 प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 70 छात्रों को 25,000 रुपये प्रत्येक और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले 69 छात्रों को 10,000 रुपये प्रत्येक का चेक प्रदान किया, कुल मिलाकर 24.40 लाख रुपये की राशि का चेक भेंट करते हुए उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन। इस मौके पर सांसद दयानिधि मारन, विधायक डॉ. एन. एझिलन, विशेष परियोजना कार्यान्वयन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रदीप यादव सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री के बयान पर भड़के अन्नामलाई, द्रमुक को हिंदू विरोधी बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता के. अन्नामलाई ने तमिलनाडु के मंत्री रुघुपति पर निशाना साधते हुए तिरुप्परनकुंद्रम मुद्दे पर उनके बयान को द्रमुक सरकार के हिंदू-विरोधी रुख का सबूत करार दिया। भाजपा की राज्य इकाई के पूर्व प्रमुख अन्नामलाई, राज्य के मंत्री के एक बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि दाह संस्कार केवल श्मशान में जाना चाहिए, परंपराएं हरगिज नहीं बदली जानी चाहिए।

अन्नामलाई ने छह जनवरी को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री समेत द्रमुक के नेता तमिलनाडु की सदियों पुरानी आध्यात्मिक परंपराओं का अपमान किए जा रहे हैं और उपासना अधिकारों व हिंदुओं की संस्कृति का मजाक उड़ा रहे हैं। इससे एक बार फिर द्रमुक सरकार की हिंदू विरोधी मानसिकता उजागर हो गई है।

रघुपति ने तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप प्रज्वलित करने की अनुमति देने वाले एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखने संबंधी मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए मंगलवार को कहा था कि तमिलों की संस्कृति और विरासत की रक्षा की जानी चाहिए। किसी के कहने भर से ऐसी परंपरा या रिवाज लागू करना संभव नहीं है, जो अब तक मौजूद ही नहीं था।

उन्होंने कहा, दाह-संस्कार केवल श्मशान घाट में ही किया जा सकता है। क्या उसे कहीं और किया जा सकता है? मौजूदा रिवाजों और परंपराओं को मत बदलिए। ऐसे फैसले देकर तमिलनाडु में भ्रम क्यों पैदा किया जा रहा है?

कांग्रेस पार्टी का सत्ता में हिस्सेदारी मांगना कोई बुराई नहीं : प्रवीण चक्रवर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बुधवार को यहां कहा कि सत्ता में हिस्सेदारी मांगने में कुछ भी गलत नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय से उनकी केवल एक बार मुलाकात हुयी है।

चक्रवर्ती ने पत्रकारों से कहा कि इतने वर्षों तक कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मांगी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसे कभी यह मांग नहीं करनी चाहिए। कुछ ही दिन पहले कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा था कि सत्ता साझाकरण पर बहस करने का समय आ गया है। कांग्रेस नेता और किल्लियूर विधायक एस. राजेशकुमार ने कुछ महीने पहले कहा था कि पार्टी के विधायक और पदाधिकारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से आग्रह करेंगे कि वे द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को गठबंधन सरकार स्वीकार करने तथा पार्टी को अधिक सीट आवंटित करने के लिए मनाएं। यह पूछे जाने पर कि क्या सत्ता-साझाकरण के लिए कांग्रेस पार्टी की आवाज और तेज हो गई हैं चक्रवर्ती ने आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या उनकी पार्टी को सत्ता की मांग नहीं रखनी चाहिए क्योंकि उसने पहले कभी इस तरह की व्यवस्था पर जोर नहीं दिया था।

टीवीके प्रमुख विजय से अपनी मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''मैं उनसे सिर्फ एक बार मिला था और बस इतना ही।'' इस कथित मुलाकात ने राज्य के राजनीतिक हलकों में काफी हलचल मचा दी थी, जिसके चलते कांग्रेस ने घोषणा की थी कि वह अपने सहयोगी द्रमुक के साथ है। गृह मंत्री अमित शाह की हालिया तमिलनाडु यात्रा और विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में भाजपा की सरकार बनने की संभावना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में चक्रवर्ती ने कहा, ''इस सवाल का जवाब हमारे कांग्रेस नेता राहुल गांधी संसद में पहले ही दे चुके हैं। उन्होंने संसद में क्या कहा? भाजपा तमिलनाडु में कभी सत्ता में नहीं आएगी। हम इसका ध्यान रखेंगे।''

शबरीमला मंदिर में भक्तों को अपने खुद के गीत प्रस्तुत करने का मौका मिलेगा

केरल के पथनमथिट्टा जिले में बुधवार को सबरीमला मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए प्रतीक्षा करते श्रद्धालुओं की भारी भीड़।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शबरीमला/भाषा। टीडीबी की एक पहल की बदौलत अब भगवान अय्यप्पा के भक्तों को शबरिमला के पहाड़ी मंदिर में अपने स्वयं के भक्ति गीत प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

मंदिर प्रबंधन बोर्ड ने यह निर्णय लिया है कि मंदिर में सार्वजनिक संबोधन प्रणाली के माध्यम से प्रस्तुत किये जाने वाले गीतों की सूची में आम भक्तों द्वारा रचित नये भक्ति गीतों को भी शामिल किया जायेगा। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के एक बयान में कहा गया है कि वर्तमान में शबरिमला में केवल के.जे. येसुदास और जयविजय जैसे प्रसिद्ध गायकों द्वारा गाये गये भक्ति गीत ही प्रस्तुत किये जाते हैं।

बयान के अनुसार इस नयी पहल के तहत, देवस्वोम बोर्ड द्वारा गहन जांच के बाद भक्तों द्वारा रचित मौलिक रचनाओं पर भी विचार किया जायेगा। इसके अनुसार गीतकार, संगीतकार और गायक को संयुक्त रूप से एक हलफनामा और सहमति पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह घोषित किया गया हो कि गीत मौलिक है और कॉपीराइट दावों से मुक्त है। बयान के अनुसार विस्तृत जांच के बाद, बोर्ड चयनित गानों के बारे में निर्णय लेगा।

पीएमके का अंबुमणि गुट राजग में शामिल हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पीएमके के डॉ. अंबुमणि रामदॉस गुट ने तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख ई. पलानीस्वामी से मुलाकात करने के बाद बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने का फैसला लिया। तमिलनाडु में राजग का नेतृत्व अन्नाद्रमुक कर रही है। डॉ. अंबुमणि ने पलानीस्वामी के घर जाकर उनसे मुलाकात की और औपचारिक रूप से गठबंधन में शामिल होने की घोषणा की। इस गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी शामिल है।

पलानीस्वामी ने कहा, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) अब हमारे गठबंधन में शामिल हो गई है। जल्द ही और पार्टियां भी इसमें जुड़ेंगी। उन्होंने कहा कि पीएमके को कितनी सीट मिलेंगी, इसका फैसला हो चुका है और जल्द इसकी जानकारी दी जाएगी।

डॉ. अंबुमणि ने कहा कि उन्होंने 'जनविरोधी' द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार को हराने के लिए राजग में शामिल होने का फैसला लिया। अंबुमणि ने कहा, ''हम तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे और हम निसंदेह सत्ता में आएंगे क्योंकि राज्य के लोग सत्ताधारी दल द्रमुक से बहुत नाराज हैं। हमारा गठबंधन भारी बहुमत से सत्ता में आएगा।''

अंबुमणि ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''अन्नाद्रमुक के साथ हमारा गठबंधन स्वाभाविक है।'' उन्होंने कहा कि द्रमुक के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर मजबूत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''द्रमुक ने तमिलनाडु में पिछले तीन चुनाव (2019 और 2014 के लोकसभा चुनावों सहित) इसलिए जीते क्योंकि विपक्ष बिखरा हुआ था। अब हमारे पास अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में एक मजबूत विपक्ष है तथा अधिक पार्टियां हमसे जुड़ेंगी।''

पीएमके इस समय दो धड़ों में बंटी हुई है, जिसमें से एक धड़ा इसके संस्थापक डॉ. एस. रामदॉस जबकि दूसरा उनके बेटे डॉ. अंबुमणि का है तथा दोनों के बीच लंबे समय से नेतृत्व को लेकर मतभेद जारी हैं। पीएमके 2024 के लोकसभा चुनाव में भी राजग का हिस्सा थी। तमिलनाडु में 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए इस साल मार्च-अप्रैल में चुनाव होने की संभावना है।

त्रिशुर में मां और बेटे का शव मिला

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले के अंबलाक्कावु में मंगलवार को एक महिला और उसके पांच वर्षीय बेटे का शव उनके घर से बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान शिल्पा(30) और उसके बेटे अक्षयजीत(5) के रूप में हई है। पुलिस ने यह संदेह जताया है कि महिला ने बच्चे की हत्या करने के बाद खुदकुशी की होगी।

पुलिस के अनुसार, बच्चा कमरे में बिस्तर पर मृत मिला जबकि महिला का शव पास ही फंदे से लटका हुआ था। उन्होंने बताया कि पीड़िता के पति ने बताया कि वह अस्वस्थ होने के कारण दूसरे कमरे में सो रहे थे। पुलिस के अनुसार, जब सुबह काफी देर तक शिल्पा के कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो उसके पति ने अंदर जाकर देखा, जहां दोनों के शव पड़े मिले। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि मां ने बच्चे का गला घोंटने के बाद आत्महत्या की होगी। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और मौत सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच कर रही है।

भाजपा ने सिद्दरामय्या को 'सबसे अधिक कर्ज लेने वाला मुख्यमंत्री' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को सिद्दरामय्या को 'सबसे अधिक कर्ज लेने वाला मुख्यमंत्री' करार दिया और उन खबरों का हवाला दिया जिनमें कहा गया है कि राज्य सरकार जनवरी से मार्च तक की चौथी तिमाही में 93,000 करोड़ रुपये का कर्ज ले सकती है। सिद्दरामय्या द्वारा कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का इतिहास रचे जाने पर विपक्ष ने कर्ज को लेकर उनकी आलोचना की। सिद्दरामय्या वित्त मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे हैं।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कांग्रेस सरकार पर कर्नाटक को पीछे 'धकेलने' का आरोप लगाते हुए कहा कि सिद्दरामय्या को यह समझना चाहिए कि इतिहास केवल कार्यकाल की अवधि को महत्व नहीं देता बल्कि उनके द्वारा छोड़ी गई विरासत के आधार पर उनका मूल्यांकन करता है। उन्होंने कहा, सिद्दरामय्या सिर्फ सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नहीं बल्कि सबसे अधिक कर्ज लेने वाले मुख्यमंत्री भी हैं।

अशोक ने 'एक्स' एक पोस्ट में कहा, आंकड़ों और विरासत में अंतर यह है कि सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का खिताब महज एक आंकड़ा है। सबसे अधिक कर्ज लेने वाले मुख्यमंत्री का खिताब एक विरासत है। उन्होंने कहा, इनमें से एक को भुला दिया जाएगा जबकि दूसरे को कर्नाटक के इतिहास में हमेशा के लिए याद रखा जायेगा।

अशोक ने नवीनतम आंकड़ों को चौंकाने वाला बताते हुए कहा, एक ही तिमाही में 93,000 करोड़ रुपये का कर्ज, भारत में चौथी तिमाही में लिया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा कर्ज होगा। इसे शासन नहीं कहा जा सकता, यह घबराहट में किए गए वित्तीय प्रबंधन की सटीक परिभाषा है। भाजपा नेता के अनुसार, यह कर्ज में भारी वृद्धि राजकोषीय ढांचे के पतन के कारण हुई है, जिनमें पिछले ऋणों को चुकाने के लिए उधार लेना, अस्थिर गारंटी योजनाओं को खतरनाक रूप से वित्तपोषित करने के लिए उधार लेना और बुनियादी आर्थिक नियोजन की विफलता के कारण नकदी प्रवाह में भारी गिरावट आना शामिल है।

उन्होंने कहा, जब किसी सरकार को केवल अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए हर महीने औसतन 31,000 करोड़ रुपये उधार लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है, तो यह मजबूती का संकेत नहीं बल्कि राजकोषीय तनाव का स्पष्ट सूचक है। विपक्षी नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को यह समझना चाहिए कि इतिहास उनके खोखले कार्यकाल को महत्व नहीं देता। उन्होंने कहा, इतिहास उनके द्वारा छोड़ी गई विरासत के रिकॉर्ड का मूल्यांकन करेगा। और आज जो पीछे छूट रहा है वह निर्विवाद है : कर्ज का पहाड़, अक्षमता के स्पष्ट निशान और कर्नाटक राज्य का गिरवी रखा हुआ भविष्य। अशोक ने यह भी कहा कि रिकॉर्ड मिट जाते हैं, विरासत खड़ी रहती हैं।

Infosys®

इन्फोसिस ने उद्यम स्तर पर सृजनात्मक एआई अपनाने के लिए अमेजन वेब सर्विसेज के साथ साझेदारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस ने उद्यम स्तर पर सृजनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनरेटिव एआई) को बढ़ावा देने के लिए अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के साथ रणनीतिक साझेदारी की बुधवार को घोषणा की। इस सहयोग के तहत इन्फोसिस की एआई पेशकश 'इन्फोसिस टोपाज' और एडब्ल्यूएस का सृजनात्मक एआई आधारित टूल 'अमेजन क्यू डेवलपर' एक साथ काम करेंगे। इस सहयोग का मकसद न सिर्फ इन्फोसिस के आंतरिक कामकाज को अधिक कुशल बनाना है, बल्कि विनिर्माण, दूरसंचार, वित्तीय सेवाओं और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए नए समाधान एवं नवाचार को गति देना भी है।

इन्फोसिस टोपाज, जेनरेटिव एआई प्रौद्योगिकी पर आधारित सेवाओं, समाधानों और मंचों का एक समूह है, जबकि अमेजन क्यू डेवलपर एक ऐसा एआई असिस्टेंट है जो सॉफ्टवेयर विकास और उद्यम स्तर पर कामकाज में मदद करता है। एडब्ल्यूएस के भारत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्र के अध्यक्ष संदीप दत्ता ने एक बयान में कहा कि अमेजन क्यू और इन्फोसिस टोपाज की मिली-जुली ताकत से कंपनियों को नवाचार करने, कामकाज में फुर्ती लाने और ग्राहकों के लिए बेहतर मूल्य सृजन में मदद मिलेगी। इन्फोसिस के कार्यकारी उपाध्यक्ष बालकृष्ण डी. आर. ने कहा कि यह साझेदारी उद्यम मूल्य के सृजन और उसे ग्राहकों तक पहुंचाने के तरीके को बदल रही है। उन्होंने कहा कि इससे विकास चक्र के साथ मानव संसाधन, भर्ती और आपूर्तिकर्ता प्रबंधन जैसे अहम कार्यों में भी बदलाव संभव होगा।

पलानीस्वामी ने टिकट दिलाने का वादा करने वाले बिचौलियों से सावधान रहने की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए टिकट दिलवाने का वादा करने वाले बिचौलियों और धोखेबाजों से पार्टी कार्यकर्ताओं को सावधान किया। यह चेतावनी पार्टी को मिली इन सूचनाओं के मद्देनजर दी गई है कि कुछ लोग पार्टी की छवि खराब करने के इरादे से इच्छुक पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं।

पलानीस्वामी ने यहां जारी एक बयान में कहा, चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवारों को टिकट दिलवाने का दावा करने वाले बिचौलियों की बातों में नहीं आना चाहिए। योग्य उम्मीदवारों को सही समय पर पहचान लिया जाएगा। पलानीस्वामी ने आवेदकों से आग्रह किया कि वे चयन प्रक्रिया पर प्रभाव का दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। आवेदन पत्र जमा करने वालों के साक्षात्कार नौ जनवरी से पार्टी मुख्यालय में शुरू होंगे। पार्टी प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि योग्य उम्मीदवारों का चयन पार्टी चुनाव समिति द्वारा योग्यता के आधार पर किया जाएगा।

उन्होंने कहा, मैं आवेदकों से अनुरोध करता हूं कि वे किसी पर भी आंख बंद करके भरोसा न करें। जो लोग वास्तव में पार्टी के कल्याण के लिए काम करेंगे, उन्हें उचित समय पर सम्मानित किया जाएगा। केवल आवेदन की मूल रसीद प्रस्तुत करने वाले उम्मीदवारों को ही साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। जिन सदस्यों ने अब तक अपने भरे हुए फॉर्म जमा नहीं किए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे तुरंत औपचारिकताएं पूरी करें।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को हावेरी में देवगिरी-येल्लापुर के पास नए बने हावेरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री, सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी-गदग लोकसभा क्षेत्र से सांसद बसवराज बोम्मई, मंत्री शिवानंद पाटिल, डॉ. शरणप्रकाश पाटिल, एच.के. पाटिल, सतीश जारकीहोली आदि उपस्थित थे।

'अपहरण' के बाद छह साल की बच्ची की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के पूर्वी हिस्से में स्थित व्हाइटफील्ड इलाके के पास छह साल की बच्ची का अपहरण कर उसकी हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की बेटी थी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के पिता ने बेटी के पांच जनवरी की दोपहर से लापता होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई और उसने नजदीक ही रह रहे पश्चिम बंगाल के एक मजदूर की संलिप्तता का संदेह जताया। पीड़िता के पिता ने बताया कि उसे उक्त व्यक्ति पर संदेह है क्योंकि जहां पर बच्ची खेल रही थी वहां पर उसे देखा गया था। पुलिस को मिली शिकायत के मुताबिक बेटी के लापता होने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में पुलिस को इसकी सूचना दी।

बच्ची का शव बाद में पट्टंदूर अग्रहारा के पास एक सूखे नाले में मिला। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बच्ची की गला दबाकर हत्या की गई। पुलिस के अनुसार यौन उत्पीड़न के संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस ने बताया कि हत्या के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। परिवार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है और संदिग्ध को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

ग्रामीण रोजगार, आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है 'जी राम जी' कानून : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित भारत-रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम का समर्थन करते हुए बुधवार को कहा कि यह ग्रामीण रोजगार और आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस कानून को लेकर दुष्प्रचार कर रही है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लाया गया 'वीबी-जी राम जी' कानून ग्रामीण रोजगार और आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

उन्होंने कहा कि 'वीबी-जी राम जी' कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी और गुणवत्तापूर्ण संपत्तियों का निर्माण हो सकेगा तथा यह कानून ग्रामीण रोजगार नीति को विकसित भारत की रूपरेखा से जोड़ेगा और राजस्थान को भी इसका भरपूर लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मनरेगा' को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी देने के उद्देश्य से लाया गया था लेकिन कांग्रेस सरकार के कमजोर प्रशासन और भ्रष्टाचार के कारण यह अपने लक्ष्य को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गलत मंशा की वजह से मनरेगा के तहत किए गए अधिकांश कार्य गांवों की समग्र विकास योजनाओं से नहीं जुड़ पाए, जिनमें अस्थायी सड़कों, अधूरी जल संरचनाओं और बिना योजना के मिट्टी के कार्य करवाए जाते थे, जिनकी कोई दीर्घकालिक उपयोगिता नहीं थी। शर्मा ने कहा कि मनरेगा में फर्जी और डुप्लीकेट जॉब कार्ड, नकली लाभार्थी, मनगढ़ंत हाजिरी और मजदूरी भुगतान में अनियमितताओं की जांच पड़ताल के लिए कोई सुदृढ़ व्यवस्था नहीं होने के कारण 'सोशल ऑडिट' केवल औपचारिकता बनकर रह गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया कानून इन सभी कमियों को दूर किया गया है और अब सालाना रोजगार की कानूनी गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अधिनियम के तहत मजदूरी का भुगतान हर सप्ताह करना अनिवार्य होगा और दो सप्ताह से अधिक देरी होने पर स्वतः मुआवजा मिलेगा। शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक व्यय की सीमा को बढ़ाकर नौ प्रतिशत किया गया है ताकि पर्याप्त स्टाफ, तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशिक्षण और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम में हर वर्ष के लिए एक स्पष्ट और तय बजट निर्धारित किया जाएगा तथा मांग के अनुसार काम उपलब्ध कराने की व्यवस्था पहले की तरह बनी रहेगी। शर्मा ने कहा, कांग्रेस के पास सिर्फ भ्रामक प्रचार है। वह हमेशा झूठ व भ्रामक प्रचार में आगे रहती है।

गरीबी को दूर करने का शिक्षा ही सबसे सशक्त माध्यम : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि बीएन संस्थान की शुरुआत एक साधारण पाठशाला के रूप में हुई थी, जो आज एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के रूप में देशभर में अपनी पहचान बना चुका है। यह संस्थान शिक्षा के माध्यम से समाज के उत्थान की उस सोच को साकार कर रहा है, जिसकी नींव मेवाड़ के प्रेरणापुरुष महाराणा भूपाल सिंह ने रखी थी। उन्होंने कहा कि महाराणा भूपाल सिंह शिक्षा और जनकल्याण में गहरी आस्था रखते थे तथा उन्होंने विभिन्न आयामों में उत्कृष्ट शासन का उदाहरण प्रस्तुत किया। वर्ष 1945 में उन्होंने अपने महल के भीतर औषधालय की स्थापना कर जरूरतमंदों को उपचार उपलब्ध करवाया, जो उनकी संवेदनशीलता और दूरदृष्टि का प्रमाण है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े बुधवार को उदयपुर में आयोजित भूपाल नोबल्स (बीएन) विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के 90 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि, 47 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक सहित कुल 2025 विद्यार्थियों को विभिन्न संकायों की डिग्रियां प्रदान की गईं।

राज्यपाल ने मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के शासक स्वयं को एकलिंगजी भगवान का प्रतिनिधि मानकर शासन करते थे। मेवाड़ के संस्थापक बप्पा रावल ने विदेशी आक्रांताओं का डटकर मुकाबला किया और मोहम्मद बिन कासिम को ईरान की सीमाओं तक खदेड़ दिया था। यह इतिहास आज भी नई पीढ़ी को प्रेरणा देता है।

बागड़े ने कहा कि मेवाड़ एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है और इस क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार में बीएन संस्थान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। शिक्षा के माध्यम से इस संस्थान ने जनजातीय अंचलों में ज्ञान का आलोक फैलाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनजातीय समुदाय को उच्च शिक्षा से जोड़ना समय की मांग है, ताकि वे मुख्यधारा में शामिल होकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। वंचित और पिछड़े वर्ग का उत्थान आज देश की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि गरीबी को यदि स्थायी रूप से दूर किया जा सकता है तो उसका सबसे सशक्त माध्यम शिक्षा ही है। केवल डिग्री प्राप्त करना ही जीवन का लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि निरंतर आगे बढ़ने की जिद और सीखते रहने का संकल्प होना चाहिए। सफलता के लिए सतत प्रयास आवश्यक हैं। विद्यार्थी निरंतर अभ्यास के माध्यम से अपनी बौद्धिक क्षमता बढ़ाएं, अपनी सोच और दृष्टि को व्यापक बनाएं तथा स्वयं को सफल देखने का मानस तैयार करें, सफलता अवश्य मिलेगी।

उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की चर्चा करते हुए कहा कि इसकी जिम्मेदारी तरुण भारत के कंधों पर है। देश का स्वर्णिम गौरव विश्वविद्यालयों से ही निकलेगा और तक्षशिला व नालंदा जैसे प्राचीन ज्ञान केंद्रों का वैभव पुनः लौटे ऐसी भावना विद्यार्थियों में होनी चाहिए। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से विगत 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं, जो सुशासन और समावेशी विकास का उदाहरण है।

किसानों की महापंचायत, इथेनॉल फैक्ट्री के लिए हुआ समझौता रद्द करने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में प्रस्तावित इथेनॉल फैक्टरी के विरोध और किसानों पर दर्ज मुकदमों को रद्द करने की मांग को लेकर बुधवार को संगरिया कस्बे की धान मंडी में किसान महापंचायत हुई। इस महापंचायत में राजस्थान के साथ साथ हरियाणा और पंजाब के किसान नेता व संगठनों के प्रतिनिधि पहुंचे। 'इथेनॉल फैक्टरी हटाओ-क्षेत्र बचाओ संघर्ष समिति' के बैनर तले किसान नेताओं ने प्रस्तावित फैक्टरी से जुड़े समझौता ज्ञापन (एमओयू) को रद्द करने और किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की। महापंचायत से पहले किसानों ने नगर परिषद कार्यालय में बने किसान स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अगली महापंचायत 11 फरवरी को हनुमानगढ़ जिले तलवाड़ा झील गांव में होगी। किसान नेताओं ने महापंचायत में कहा कि प्रस्तावित इथेनॉल कारखाने से क्षेत्र की खेती, भू-जल और पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका है। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि बिना किसानों की सहमति के ऐसे उद्योग लगाए जा रहे हैं, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

किसान जत्थेबंदी (उग्राहां) के वरिष्ठ नेता जोगेंद्र सिंह उग्राहां ने कर्ज माफी और किसानों-मजदूरों की बदहाल आर्थिक स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सरकार की नीतियां आम जनता के लिए नहीं बल्कि बड़े औद्योगिक घरानों के हित में बनाई जा रही है। उग्राहां ने कहा, वर्ष 2012 से 2018 के बीच औद्योगिक घरानों का 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज माफ किया गया जबकि किसानों पर कुल कर्ज लगभग 12 लाख करोड़ रुपये ही है। अगर सरकार चाहती तो इसी राशि से देश के सभी किसानों का कर्ज पूरी तरह समाप्त कर सकती थी लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, किसानों की कर्ज माफी और न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी समय की सबसे बड़ी जरूरत है। देश में धन की कोई कमी नहीं है, कमी है तो सिर्फ सरकार की इच्छाशक्ति की। उग्राहां ने मजदूरों के कर्ज को भी पूरी तरह खत्म करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार किसानों और मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेगी तब तक संघर्ष जारी रहेगा और किसान-मजदूर सड़क से संसद तक अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। किसान नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी भी किसान को डराने या दबाने की कोशिश की गई, तो पूरा हनुमानगढ़ जिला एकजुट होकर विरोध करेगा।

किसानों की आमदनी में वृद्धि से आर्थिक स्थिति होगी मजबूत : वी. श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में राजस्थान ग्लोबल एग्रीटेक मीट 2026 के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा हेतु बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने, उन्हें कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनाने और उनकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए सदैव प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि ग्राम के आयोजन से प्रदेश के किसान आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर इनके माध्यम से स्मार्ट फार्मिंग कर कृष क्षेत्र में अग्रणी बनेंगे। मुख्य सचिव ने ग्राम के सफल आयोजन के लिए कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, राजस्व, उद्योग, पर्यटन आदि विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के लिए कहा। इस आयोजन में कृषकों की भागीदारी के लिए मुख्य सचिव ने कृषकों का पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए कहा, जिससे प्रगतिशील किसान ज्यादा से ज्यादा भाग लें और नवीन तकनिकों एवं नवाचारों का फायदा ले सकें। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने पीपीटी के माध्यम से ग्राम की तैयारियों पर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम के आयोजन में पूरे प्रदेश से 50 हजार से ज्यादा कृषक भाग लेंगे, जिसमें राज्य के एवं संबद्ध क्षेत्रों की कृषि क्षमताओं एवं संभावनाओं का प्रचार-प्रसार किया जायेगा, देश-विदेश में रोड शो का भी आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन में कृषक वैज्ञानिक संवाद, कृषक गोष्ठियों, प्रदर्शनी, सेमिनार, कान्फ्रेन्स, क्रेता-विक्रेता बैठकों व बिजनस बैठक का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रदर्शक एवं कम्पनियां, कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, 32 से अधिक देशों के प्रतिनिधि मंडलों, कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर के संस्थानों एवं अन्य सरकारी व गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी होगी।

उल्लेखनीय है कि ग्राम के आयोजन का उद्देश्य विश्व स्तर पर उपलब्ध कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीकों और नवाचारों को प्रदेश में किसानों तक पहुंचाना है। जिससे प्रदेश के कृषक नवीन तकनीक अपनाकर अपनी उत्पादकता में वृद्धि कर सकेंगे और प्रदेश के कृषकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, राजस्व, उद्योग, पर्यटन, जल संसाधन, ग्रामीण विकास, ऊर्जा, वित्त, शहरी विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ती आदि विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया गया।

चेन्नई की संस्था ने फर्जी फायर टेक्नीशियन डिप्लोमा से खेला करोड़ों का खेल, डायरेक्टर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप विशाल बंसल ने बताया कि भारतीय नौसेना की फायर टेक्नीशियन पद की प्रतियोगी परीक्षा-2025 में शामिल अभ्यर्थियों को बैकडेट फर्जी डिप्लोमा और अंकतालिका उपलब्ध कराने के मामले में चेन्नई की भारत सेवक समाज संस्था के डायरेक्टर अरूल ग्राना मोईसन को गिरफ्तार किया गया है। एस.ओ.जी., जयपुर द्वारा दर्ज किए गए मामले के अनुसार, संस्था ने ए.एस. फायर एवं सेफ्टी मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, तुंगला, करौली के साथ मिलकर वर्ष 2023-24 के डिप्लोमा और अंकतालिकाएं बिना किसी प्रशिक्षण के जारी की। केवल 12वीं की अंकतालिका और आधार कार्ड लेकर 2-3 दिन में फर्जी डिप्लोमा प्रदान किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि भारत सेवक समाज संस्था ने खुद को योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा अधिकृत स्किल डेवलपमेंट कोर्स संचालक बताकर आमजन को भ्रमित किया। संस्था के पास कोई प्रशिक्षण सेटअप नहीं था, केवल ऑफिस स्तर का सेटअप था।

सैकड़ों कॉलेज और स्किल डेवलपमेंट संस्थानों को जोड़कर संस्था ने बैकडेट डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र जारी कर करोड़ों रुपये की अवैध आय अर्जित की। कॉलेजों से प्रति अभ्यर्थी 2,000 रुपये तथा प्रति कॉलेज छ70,000 से छ1,00,000 वसूले गए। अनुमानित तौर पर 10,000 से अधिक कॉलेजों को जोड़कर यह अवैध गतिविधि संचालित की गई। जांच में यह भी पता चला कि संस्था के चेयरमैन बी.एस. बालचंद्रन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके हैं। अरूल ग्राना मोईसन को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया और पुलिस हिरासत में लिया गया। अन्य दोषियों के खिलाफ भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विशाल बंसल ने चेतावनी दी कि भारत सेवक समाज द्वारा जारी किसी भी प्रमाण-पत्र को किसी मान्यता प्राप्त कोर्स के समकक्ष नहीं माना जा सकता, अतः नियोजक संस्थाओं से आग्रह है कि ऐसे डिप्लोमा धारकों के चयन से पूर्व प्रमाण-पत्रों का पूर्ण और विधिवत सत्यापन अवश्य करें।

नारी चौपाल बना महिला सशक्तिकरण का सशक्त मंच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप जयपुर जिले में महिला सशक्तिकरण को सशक्त आधार देने की दिशा में सक्षम जयपुर अभियान के तहत नारी चौपाल कार्यक्रम प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा बेटी बचाओबेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत उपखण्ड स्तर पर आयोजित इन चौपालों ने महिलाओं को संवाद, सहभागिता और आत्मनिर्भरता का सशक्त मंच प्रदान किया है। इसी क्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार बुधवार को बस्सी उपखण्ड में नारी चौपाल का भव्य आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में हजारों महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता ने आयोजन को प्रेरणादायी बना दिया।

महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मृणाल कुमार एवं उपखण्ड अधिकारी डॉ. गरिमा शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित चौपाल में महिलाओं ने आत्मविश्वास, हुनर और नेतृत्व क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान मारवाड़ी लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसी प्रस्तुतियों ने चौपाल को जीवंतता प्रदान की। हम होंगे कामयाब और मेरा काममेरा सम्मान जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं ने स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का सशक्त संदेश दिया। विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं द्वारा अनुभव साझा किए जाने से उपस्थित प्रतिभागियों को आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिली।

नारी चौपाल में महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।अधिकारियों ने महिलाओं से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। मौके पर लगाए गए सहायता काउंटरों के माध्यम से महिलाओं को योजनाओं से जुड़ा मार्गदर्शन और सहयोग भी उपलब्ध कराया गया।

योग्यजनों के लिए सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बुधवार को उन सरकारी या गैर सरकारी शोध संस्थानों, संगठनों एवं व्यक्तियों के प्रस्तुतिकरण देखे, जिन्होंने विशेष योग्यजनों को और अधिक सुविधा एवं सम्बल देने के लिए कृत्रिम अंग या उपकरण की गुणवत्ता के संबंध में शोध किए हैं। मुख्यालय अम्बेडकर भवन में आयोजित इस अहम बैठक में मशहूर कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विशेष योग्यजनों के लिए काम आ रहे कृत्रिम अंगों और उपकरणों को अत्याधुनिक और सहज बनाने के शोध विचार और सुझाव संबंधी विचार रखे। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट

घोषणा में राज्य में विशेष योग्यजनों को और अधिक सुविधा एवं सम्बल प्रदान करने की दृष्टि से आर्टिफिशियल लिंब्स और इक्यूपमेंट की गुणवत्ता के संबंध में शोध की घोषणा की थी। इसी की अनुपालना में संस्थानों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई थी। उन्होंने कहा राज्य सरकार की मंशा है कि विशेष योग्यजनों को मिलने वाले उपकरण गुणवत्तायुक्त हों, उपयोगी हों और पहले से अधिक सहज भी हों।

सामाजिक न्याय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ऐसा नवाचार करने वाला राजस्थान अकेला प्रदेश है, जहां विशेष योग्यजनों के लिए सरकार इतनी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने उपकरणों और अंगों को और अधिक हल्का, किफायती तथा उपयोग में सुविधाजनक बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शोध संस्थाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास दिव्यांगजनों के जीवन में स्वावलंबन, सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मददगार साबित होंगे।

कड़ाके की सर्दी जारी, अनेक जगह घना कोहरा छाया रहा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है जहां बुधवार सुबह भी अनेक इलाके घने कोहरे में रहे। मौसम विभाग ने कई जिलों में शीतलहर जारी रहने तथा घना कोहरा छाने की चेतावनी दी है। मौसम केंद्र जयपुर ने बुधवार को सुबह बताया कि बीते चौबीस घंटे में राज्य में अनेक जगह घना कोहरा दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में भी घना कोहरा छाया रहा। राज्य के अनेक इलाकों में लगातार शीतलहर व शीत दिवस दर्ज किया गया है।

बीते चौबीस घंटे में न्यूनतम तापमान सीकर में 4.5 डिग्री, सिरोही में 4.7 डिग्री सेल्सियस, सीकर में 4.9 डिग्री, फलोदी में 5.8 डिग्री, अजमेर में 5.9 डिग्री, अलवर में 6.1 डिग्री, गंगानगर व चूरू में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में इस दौरान अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 18.5 डिग्री व 6.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने बूंदी, करौली, कोटा और सवाई माधोपुर में आज तथा कल शीत दिवस रहने व घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शीत दिवस तब घोषित किया जाता है जब अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस कम रहता है। राजधानी जयपुर व आसपास के इलाकों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन सुबह घना कोहरा छाया रहा। राज्य में अनेक जगह घने कोहरे से दृश्यता 'शून्य' तक रही और इसका असर आवागमन के साथ साथ सामान्य जनजीवन पर पड़ा। तापमान में गिरावट और धूप नहीं निकलने के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। राजमार्ग पर वाहन धीमी गति से चलते दिखे। लोग सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। प्रशासन ने शहरों में कई जगह 'रैन बसेरे' बनाए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आगामी सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आगामी दिनों में अनेक जगह सुबह के समय घना कोहरा व शीत दिन दर्ज होने की संभावना है। इसके साथ ही आगामी एक-दो दिन में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री गिरावट हो सकती है। राज्य में शीतलहर जारी रहने की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन ने जयपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़ व सीकर सहित दर्जन भर से अधिक जिलों में स्कूलों में विशेष रूप से प्राथमिक कक्षाओं के लिए शीतकालीन छुट्टियां बढ़ा दी हैं।

अमित शाह 10 को आयेंगे जयपुर, नवनियुक्त कांस्टेबलों को बाटेंगे नियुक्ति पत्र

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आगामी 10 जनवरी को आरपीए में नव चयनित कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे, जिन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वितरित करेंगे।

पुलिस महकमे ने नव चयनित कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अलग-अलग जिलों के पुलिस अधीक्षक अपने-अपने जिलों के नव चयनित कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंप रहे हैं। सभी नव चयनित कांस्टेबलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 9 जनवरी की शाम तक जयपुर पहुंच जाएं, ताकि 10 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम को लेकर आरपीए परिसर में सुरक्षा, व्यवस्थाओं और प्रोटोकॉल से जुड़ी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

चावल मिल मालिकों की हड़ताल के बीच, धान की खरीद फिर से शुरू : ओडिशा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा ने बुधवार को दावा किया कि लंबित बकाया और विभिन्न शुल्कों में संशोधन को लेकर चावल मिल मालिकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच, 19 जिलों में धान की खरीद फिर से शुरू हो गई है। एक अधिकारी ने कहा कि ऑल ओडिशा राइस मिलर्स एसोसिएशन ने सोमवार से हड़ताल शुरू कर दी है, जिससे धान खरीद प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हुई है।

एसोसिएशन पिसाई शुल्क में वृद्धि, धान और चावल के लिए परिवहन दरों में संशोधन और उनके गोदामों में संग्रहीत अनाज की सुपुर्दगी और रखरखाव शुल्क बढ़ाने की मांग कर रहा है। पात्रा ने दावा किया, ''धान की खरीद 19 जिलों में फिर से शुरू हो गई है, जहां 14 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद पहले ही हो चुकी है।'' उन्होंने कहा कि सरकार चावल मिल मालिकों की परिवहन शुल्क में बढ़ोतरी सहित कई मांगों पर सहमत हो गई है।

असम में कट्टरपंथियों की बढ़ती गतिविधियों के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री से चर्चा की : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाकुआखाना (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि उन्होंने राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कट्टरपंथी तत्वों की बढ़ती गतिविधियों के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा की है। शर्मा ने यहां एक आधिकारिक समारोह के दौरान संवाददाताओं से बातचीत के दौरान राज्य के लोगों से चुनाव समाप्त होने तक एकता और शांति बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा, '' असम में एक बड़ी साजिश चल रही है। मैंने कल केंद्रीय गृह मंत्री से बात की थी। पिछले साढ़े चार वर्षों से असम पूरी तरह शांत था। अचानक असम में कट्टरपंथी ताकतें सक्रिय हो गई हैं।'' उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों ने हाल के दिनों में बांग्लादेश से आने वाले कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

शर्मा ने कहा, ''साथ ही, बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार भी बढ़ गए हैं। इसलिए, हमें चुनाव तक सतर्क रहना होगा और हम सभी को अपनी एकता और शांति बनाए रखनी होगी।''

पुलिस के मुताबिक, पिछले साल दिसंबर में असम और त्रिपुरा में बांग्लादेश

स्थित कट्टरपंथी समूहों से कथित संबंधों के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। ये समूह पूर्वोत्तर में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहे थे।

शर्मा ने मंगलवार को कहा कि बांग्लादेश के मौजूदा हालात चिंताजनक हैं और आने वाले दिनों में असम पर इसका कुछ असर पड़ सकता है।

जेएनयू की घटना निंदनीय, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अराजकता स्वीकार नहीं : विहिप

मेरठ (उप्र)/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में प्रधानमंत्री सहित अन्य के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि शैक्षणिक संस्थानों में ऐसी 'कब्र खोदने वाली मानसिकता' से समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है। यहां जारी एक बयान में आलोक कुमार ने कहा कि दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलने को लेकर आधी रात में जेएनयू परिसर का माहौल खराब किया गया, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण बल्कि शर्मनाक और कायरतापूर्ण भी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जैसे पवित्र शैक्षणिक परिसरों का इस प्रकार राजनीतिक उकसावे और अभद्र नारों के लिए इस्तेमाल किया जाना देश की अकादमिक परंपराओं के खिलाफ है। विहिप अध्यक्ष ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि अभियोजन पक्ष के पास दोनों आरोपितों के खिलाफ दिल्ली दंगों में संलिप्तता से जुड़े प्रत्यक्ष और पुष्ट साक्ष्य हैं।

ओडिशा में एसआई भर्ती घोटाला मामले में तथ्यों को छिपा रही सीबीआई : बीजद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने आरोप लगाया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राज्य में करोड़ों रुपए के उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती घोटाले से संबंधित आरोप-पत्र में महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया है।

बीजद ने उच्च स्तर पर दोषियों की पहचान के लिए मामले की गहन जांच की मांग की। बीजद प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि इस मामले में प्रभावशाली लोगों को बचाने का 'जानबूझकर प्रयास' किया गया है।

मोहंती ने मंगलवार को आरोप लगाया, सीबीआई ने अपने प्रारंभिक आरोप-पत्र में जितना खुलासा किया है, उससे कहीं अधिक छिपाया है। शुरू

से ही उनका मकसद शक्तिशाली व्यक्तियों को बचाना प्रतीत होता है।

इस मामले पर टिप्पणी के लिए सीबीआई से संपर्क नहीं हो सका।

मोहंती ने कहा कि आरोप-पत्र में सिलिकॉन टेकला के मालिक को मुख्य आरोपी बनाया गया है जबकि पंचसॉफ्ट टेक्नोलॉजी के मालिक और 14 अन्य लोगों को सहयोगी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रिया गृह विभाग के अधीन होने के बावजूद आरोप-पत्र में ओडिशा पुलिस भर्ती बोर्ड (ओपीआरबी) या विभाग के किसी भी अधिकारी का नाम नहीं है। मोहंती ने कहा, बोर्ड और गृह विभाग की विफलता के कारण इतना बड़ा घोटाला हुआ। संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। राज्य सरकार ने अक्टूबर, 2025 में इस मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

इससे पहले, ओडिशा पुलिस की अपराध शाखा ने 125 लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनमें 114 अभ्यर्थी शामिल थे। पुलिस ने बताया कि इन्होंने 10 लाख रुपए प्रति व्यक्ति के तौर पर कथित भुगतान किया था और नौकरी मिलने के बाद 25 लाख रुपए और देने थे। ओडिशा पुलिस, अग्निशमन सेवा और वन विभाग में उपनिरीक्षक के 933 पदों के लिए लगभग 1.53 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। अधिकारियों ने बताया कि घोटाला सामने आने के बाद भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी।

334 संरक्षित तोते बरामद, वन्यजीव तस्करी गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कैंट रेलवे स्टेशन पर 334 संरक्षित तोते बरामद कर अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एसटीएफ द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के मुताबिक, आरोपी की पहचान मोहम्मद जाहिद के रूप में हुई है और वह पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले का रहने वाला है।

बयान में बताया गया कि मंगलवार को शाम करीब सवा सात बजे वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर पांच से जाहिद को गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ ने बताया कि 'रोज-रिंग्ड' और 'अलेक्जेंड्रिन पैराकीट' सहित प्रतिबंधित प्रजाति के 334 तोते, सात प्लास्टिक बैग और 3,700 रुपए नकद बरामद किए। अधिकारियों के मुताबिक, एसटीएफ को पिछले कुछ दिनों से संरक्षित वन्य जीवों की अवैध तस्करी में शामिल गिरोहों की बढ़ती गतिविधियों के बारे में जानकारी मिल रही थी।

उन्होंने बताया कि जाहिद ने पूछताछ के दौरान एसटीएफ को बताया कि वह अमृतसर-हावड़ा मेल से प्लास्टिक बैग में तोते लेकर बर्धमान जा रहा था।

न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू ने पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू ने बुधवार को पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। अधिकारियों ने बताया कि राजभवन में आयोजित समारोह में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें शपथ दिलाई। समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार ने एक जनवरी को न्यायमूर्ति साहू को पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने संबंधी अधिसूचना जारी की थी। न्यायमूर्ति साहू ने ओडिशा के स्टुअर्ट साइंस कॉलेज और कटक लॉ कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की तथा वर्ष 1989 में ओडिशा राज्य बार काउंसिल, कटक में अधिवक्ता के रूप में नामांकन कराया। उन्होंने जिला अदालतों, उच्च न्यायालय, उपभोक्ता मंचों और केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में वकालत की। उन्हें दो जुलाई 2014 को ओडिशा उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति साहू की नियुक्ति से पूर्व पटना उच्च न्यायालय में कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति सुधीर सिंह जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

बिहार में चेहरे ढककर आने वाले ग्राहकों को आभूषण नहीं बेचेंगे जौहरी

पटना/भाषा। बिहार के जौहरियों ने चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से फैसला किया है कि वे चेहरा ढककर दुकान में आने वाले ग्राहकों को आभूषण नहीं बेचेंगे। व्यापारियों के एक संगठन ने बुधवार को यह जानकारी दी। 'ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन' (एआईजेजीएफ) की बिहार इकाई ने अपने सदस्यों से कहा कि वे 'फेस मास्क' पहनकर आने वाले लोगों को आभूषण न तो दिखाएं और न ही बेचें।

फेडरेशन की बिहार इकाई के अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमने यह निर्णय लिया है कि जो ग्राहक चेहरा ढककर दुकान में आएंगे, उन्हें हम आभूषण नहीं बेचेंगे। हिजाब पहनने वाली महिलाओं या फेस मास्क लगाए किसी भी व्यक्ति को आभूषण प्रदर्शित और विक्रय नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सुरक्षा कारणों और जौहरियों व ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। वर्मा ने कहा, देश के विभिन्न हिस्सों में कई घटनाएं हुई हैं, जहां नकाबपोश लुटेरों ने आभूषण की दुकानों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा, अगर ग्राहक चेहरा ढककर आभूषण की दुकान में प्रवेश करते हैं तो उनकी पहचान नहीं हो पाती। इस कदम से चोरी की किसी घटना की स्थिति में सीसीटीवी फुटेज के जरिए ग्राहकों की पहचान करने में पुलिस को भी मदद मिलेगी। वर्मा ने कहा कि मार्च 2025 में भोजपुर जिले में नकाबपोश अपराधियों ने एक आभूषण दुकान से करीब 25 करोड़ रुपए के गहने लूट लिए थे जबकि नवंबर में सिवान में भी एक दुकान में लूट की घटना हुई थी।

अब ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं : नीतू घंघास

ग्रेटर नोएडा/भाषा। पिछले साल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मिली अप्रत्याशित हार नीतू घंघास के लिए एक बड़ा झटका थी लेकिन इससे उनके करियर की दिशा बदल गई और उन्होंने निकहत जरीन के वर्चस्व वाले 51 किलोग्राम भार वर्ग में खेलने का फैसला किया ताकि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पदक जीतने का अपना सपना साकार कर सके। गैर ओलंपिक वर्ग 48 किलोग्राम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और 2023 की विश्व चैंपियन नीतू को पिछले साल की महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में मीनाक्षी हुड्डा ने हराया था, जिन्होंने बाद में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। नीतू ने पीटीआई से कहा, ''मीनाक्षी से हारना एक तरह से मेरे लिए अच्छा साबित हुआ। अगर मैं जीत जाती और मुझे स्वर्ण पदक मिल जाता तो मैं निश्चिंत हो जाती और फिर कभी 51 किलोग्राम वर्ग में नहीं आती। वह हार मेरे लिए एक निर्णायक मोड़ थी। उसके बाद मैंने वर्ग बदलने का फैसला किया।''नीतू ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से लंबे समय तक दूर रहने के बाद यह कदम उठाया। उन्होंने 2023 में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है। नीतू के लिए यह बदलाव पूरी तरह से नया नहीं है। इससे पहले उन्होंने हांगझोऊ एशियाई खेलों और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के प्रयास में 54 किलोग्राम वर्ग में अपने हाथ आजमाए थे लेकिन वह प्रीति पवार से हार गईं थी।

साधु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर हर वर्ष आयोजित होने वाले गंगासागर मेले से पहले कोलकाता के बाबूघाट के पास बने ट्रांजिट कैंप में एक साधु।

जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिक शिक्षा में शामिल करने की जरूरत : मंत्री सुदिव्य कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप स्कूली बच्चों को बहुभाषी शिक्षा प्रदान करने में आने वाली चुनौतियों पर मंथन के लिए यहां आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

कुमार ने राष्ट्रीय बहुभाषी शिक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, ''प्राथमिक शिक्षा के लिए यह सम्मेलन एक सशक्त और सार्थक पहल है। झारखंड इस बहुलवादी देश का एक खूबसूरत रत्न है, जहां एक पुरानी कहावत सच साबित होती है -कोस-कोस पर पानी बदले दस कोस पर वाणी।'' राज्य में पांच प्रमुख जनजातीय भाषाएं और चार क्षेत्रीय भाषाएं हैं। राज्य के 24 जिलों को एक ही भाषा से जोड़ना संभव नहीं है। कुमार ने कहा, ''जब हम इन भाषाई

फूलों को एक साथ गूंथने की बात करते हैं, तो झारखंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए कम से कम नौ फूल होने चाहिए।'' उन्होंने कहा कि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने समग्र शिक्षा के लिए उपयुक्त भाषा और शैक्षणिक कौशल को बढ़ावा देने (पलाश) नामक बहुभाषी शिक्षा परियोजना के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा में पांच जनजातीय भाषाओं कुरुख, संथाली, मुंडारी, हो और खारिया को शामिल किया है, लेकिन अभी तक केवल आठ जिलों में ही ऐसा किया गया है।

सोमनाथ पर झूठ फैला रही है भाजपा : कांग्रेस

नेहरू ने गांधी और पटेल की नीति का पालन किया था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमनाथ मंदिर और पंडित जवाहरलाल नेहरू पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दावे को झूठ करार देते हुए बुधवार को कहा कि नेहरू ने महात्मा गांधी और सरदार पटेल की सहमति से तय उस नीति का पालन किया था कि धर्मस्थल के निर्माण में सरकारी पैसे का उपयोग नहीं होना चाहिए।

मुख्य विपक्षी दल ने यह सवाल भी किया है कि भाजपा को यह बताना चाहिए कि क्या राम मंदिर के शिलान्यास के समय तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और इसके उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को क्या इसलिए नहीं आमंत्रित किया गया कि कि वे दलित और आदिवासी समुदाय से आते हैं? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी नेता पीयूष बबेले का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया था जिसमें भाजपा के आरोपों पर विस्तृत जवाब दिया गया है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सोमनाथ मंदिर को अतीत में महमूद गजनी और अलाउद्दीन खिलजी ने लूटा था, लेकिन स्वतंत्र भारत में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भगवान सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत थी। कांग्रेस नेता बबेले ने इसके जवाब में कहा, ''भाजपा और सुधांशु त्रिवेदी पंडित नेहरू और सोमनाथ मंदिर को लेकर अर्धसत्य परोस रहे हैं, झूठ फैला रहे हैं। वे नेहरू जी के कुछ चुनिंदा पत्र को निकालते हैं और आगे एवं पीछे के पत्रों को अलग कर देते हैं ताकि झूठ सच लगने लगे।'' उन्होंने कहा, ''28 नवंबर, 1947 को भी दिल्ली में अपनी प्रार्थना सभा में महात्मा गांधी ने स्पष्ट कहा था कि जूनागढ़ सरकार सरकारी ख़ज़ाने से सोमनाथ मंदिर का निर्माण नहीं कर सकती। जब गांधीजी ने सरदार पटेल से पूछा कि क्या आप सोमनाथ मंदिर के निर्माण के लिए सरकारी ख़ज़ाने से कुछ पैसा दे रहे हैं, तो पटेल ने कहा था कि जब तक मैं ज़िंदा हूं सरकारी ख़ज़ाने से एक पैसा सोमनाथ मंदिर के निर्माण के लिए नहीं दिया जाएगा। हिन्दू समाज चंदा करके मंदिर का निर्माण कर सकता है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''सरकारी धन से मंदिर का निर्माण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की नीति और भारतीय संविधान के प्रावधानों के प्रतिकूल था। पंडित नेहरू इसी नीति का पालन करते हुए मंदिर के निर्माण में सरकारी धन के उपयोग का विरोध कर रहे थे।''

बबेले ने कहा है, ''जो बात पंडित नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के बारे में कही थी वही बात अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के फ़ैसले के समय उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कही। उच्चतम न्यायालय ने एक ट्रस्ट बनाने के लिए कहा, जिस ट्रस्ट ने सार्वजनिक चंदे से राम मंदिर का निर्माण किया।

बुमराह से मिली हौसला-अफजाई से चोटों से उबरने में मदद मिली श्रेयंका को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को लगता है कि वह फिर से शुरुआत कर रही हैं क्योंकि लगातार चोट के कारण उन्हें एक साल से भी ज्यादा समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। एक के बाद एक चोटों ने 23 साल की इस क्रिकेटर को अपने पेशवर करियर के शुरुआती चरण में ही जिंदगी के अहम सबक सिखा दिए।

श्रेयंका को 2024 टी20 विश्व कप के बाद पैर के अगले हिस्से (शिन स्प्लिंट्स) की चोट लगी, फिर कलाई में चोट आई। और जब वह पिछले साल घरेलू मैदान पर होने वाले वनडे विश्व कप से पहले राष्ट्रीय टीम में वापसी को लेकर आश्वस्त थीं, तभी उनके अंगूठे में चोट लग गई। मैदान पर वापसी नहीं करने से वह निराश हो गई थीं और चोटों से उबरने की प्रक्रिया के दौरान उन्होंने खुद को कमरे में बंद कर लिया था। परिवार के समर्थन और बेंगलूरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में जसप्रीत बुमराह सहित भारतीय क्रिकेटरों से हुई बातचीत ने उन्हें यह महसूस कराया कि वह अकेली ही नहीं हैं जो चोटों से जूझ रही हैं। उसी समय भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और श्रेयंका की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की साथी आशा शोभना और कनिका आहुजा भी सीओई में मौजूद थीं।

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पहले चुनिंदा मीडिया से बात करते हुए श्रेयंका ने चोटों से जूझने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, ''शुरुआत में मुझे लगा चोट कुछ समय में ठीक हो जाएंगी। लेकिन मैं तैयार नहीं थी। फिर मुझे सोचना पड़ा कि इससे बाहर कैसे निकलूं। क्योंकि मुझे पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं हुआ था। मुझे समाधान तलाशने पड़े, लोगों से बात करनी पड़ी, अपनी भावनाएं

व्यक्त करनी पड़ीं। '' श्रेयंका ने कहा, ''मैं आमतौर पर बहुत खुलकर बात करने वाली, खुशमिजाज इंसान हूं, लेकिन उस वक्त मैं किसी से बात नहीं कर पा रही थी। मैं दो-तीन महीने तक खुद को एक कमरे में बंद करके रही। '' उन्होंने कहा, ''लेकिन बाद में मैंने खुद से पूछा कि यह कब तक करूंगी? फिर मैंने लोगों से बात करना शुरू किया, सिर्फ महिला क्रिकेटरों से ही नहीं बल्कि सीओई में मौजूद पुरुष खिलाड़ियों से भी। '' बुमराह जैसे खिलाड़ियों के साथ क्रिकेट और जिंदगी पर हुई बातचीत ने श्रेयंका को इस कठिन दौर में काफी सुकून दिया। उन्होंने कहा, ''बस क्रिकेट, जिंदगी या किसी भी बात पर बातचीत होती थी। तभी मैंने अपनी चोट के बारे में सोचना कम किया और अपने दिमाग को सकारात्मक विचारों से भरने की कोशिश की। '' उन्होंने कहा, ''मैंने वहां कुछ दोस्त बनाए जिनमें ज्यादातर लड़कियां थीं। इनमें बुमराह, स्काई (सूर्यकुमार), रियान और मयंक यादव भी थे। उनसे बात करके मुझे लगा कि मैं अकेली नहीं हूं, सिर्फ मैं ही इतनी परेशानियों का सामना नहीं कर रही हूं। ''

ऑफ-स्पिनर होने के बावजूद श्रेयंका बुमराह से बात करके उत्साहित थीं जिन्होंने अपने शानदार करियर में कई चोटों का सामना किया है। उन्होंने बताया, ''जब मुझे पता चला कि बुमराह सीओई आ रहे हैं तो मैं थोड़ी उत्साहित हो गई। मेरे दिमाग में ढेर सारे सवाल थे। मैं उनके पास गई और उन्होंने कहा कि किसी दिन बैठकर बात करते हैं। फिर कुछ दिनों बाद उन्होंने खुद कहा, 'श्रेयंका, अगर फ्री हो तो बात करते हैं'। '' उन्होंने कहा, ''मेरे पास दबाव में गेंदबाजी को लेकर कई सवाल थे। वह तेज गेंदबाज हैं, मैं स्पिनर हूं, लेकिन मैं भी 'डेथ ओवर' में गेंदबाजी करती हूं। मैं जानना चाहती थी कि यॉर्कर का अभ्यास कैसे करते हैं। उन्होंने मेरे सवालों के बहुत शानदार जवाब दिए।''

सुविचार

अपने पैरो पे खड़े होकर मरना, निचे गिरकर ज़िन्दगी जीने से बेहतर है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जंक फूड का जाल

ब्रिटेन ने बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए जंक फूड के संबंध में जो सख्ती दिखाई है, उससे अन्य देशों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। भारत में जंक फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इसे जीवन स्तर से जोड़कर देखा जाने लगा है। टीवी और सोशल मीडिया पर प्रसारित विज्ञापनों ने परिवारों की सोच को इस कदर बदल दिया है कि जंक फूड को आधुनिक जीवन की अनिवार्यता समझा जाने लगा है। कुछ लोग इसके पैकेट पर लिखी मात्रा को पढ़कर सोचते हैं कि इससे हमें पर्याप्त पोषण मिल जाएगा, जबकि यह धारणा सही नहीं है। कई लोग पश्चिमी देशों की हर चीज को महान समझ लेते हैं। वे पश्चिमी नाम, खानपान, रहन-सहन, पहनावे आदि को अपनाने में बड़प्पन महसूस करते हैं। बात जब खानपान की हो तो याद रखना चाहिए कि हमारे देश की भौगोलिक स्थिति, मौसम, फसल चक्र, जलवायु बिल्कुल अलग हैं। अगर हम प्रकृति के नियमों का उल्लंघन कर पश्चिमी देशों का खानपान अपनाएंगे तो रोगी होंगे। नब्बे के दशक में टीवी पर ऐसे विज्ञापनों की भरमार शुरू हुई थी, जिनमें बच्चों को बताया जाता था कि स्कूल जाने से पहले यह चीज खाएंगे तो आपका दिमाग तेज चलेगा, यह चीज पीएंगे तो शरीर में बिजली दौड़ेगी। बच्चों की एक किताब में 'विकास' का बड़ा विचित्र वर्णन किया गया था। एक लेखक राजस्थान के गांव में बतौर मेहमान जाता है तो उसे नाश्ते में ब्रेड परोसी जाती है! यह देखकर लेखक कहता है कि अब राजस्थान के गांव पिछड़े नहीं रहे, ये विकास करने लगे हैं!

ब्रेड खाना या बाजरे की रोटी खाना किसी व्यक्ति की पसंद पर निर्भर करता है, लेकिन हमारे देश के भोजन को पिछड़ेपन से जोड़कर देखना उचित नहीं है। अब तो वैज्ञानिक भी स्वीकार करने लगे हैं कि बाजरा स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। भारत सरकार श्री अन्न का प्रचार कर रही है।

अगर नाश्ते में ब्रेड की जगह बाजरे की रोटी, चटनी और छाछ परोसी जाती तो इन्हें पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाता। यह कितना हास्यास्पद है! ब्रेड खाना या बाजरे की रोटी खाना किसी व्यक्ति की पसंद पर निर्भर करता है, लेकिन हमारे देश के भोजन को पिछड़ेपन से जोड़कर देखना उचित नहीं है। अब तो वैज्ञानिक भी स्वीकार करने लगे हैं कि बाजरा स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। भारत सरकार श्री अन्न का प्रचार कर रही है। हमारे देश को खानपान के मामले में स्वर्ग कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहां हजारों प्रकार के पकवान हैं। चटनी, अचार, शर्बत और अन्य पेय पदार्थों की तो गिनती ही नहीं है। हर मौसम के लिए अलग चीजें हैं। उनके पीछे ठोस वैज्ञानिक कारण हैं। कौनसा पदार्थ किस मौसम में खाने से फायदा देगा और कब नुकसान करेगा, इसका वर्णन आयुर्वेद में मिलता है। क्या जंक फूड के समर्थन में कोई ऐसा प्रमाण है? अब डॉक्टर इससे दूर रहने के लिए कह रहे हैं। फिर भी ब्याह-शादियों से लेकर सामान्य दिनों में भी लोग जंक फूड खाने के लिए उमड़ते हैं। उसे पचाने के लिए ऊपर से खास किस्म के शीतल पेय पीते हैं। कई बच्चों को इनकी लत लग चुकी है। वे दाल, सब्जी, रोटी और सलाद से दूर भागते हैं। दूध, दही, पनीर, छाछ देखकर उनकी भूख गायब हो जाती है। हां, वे जंक फूड खाने के लिए आधी रात को उठने को तैयार हैं। बच्चों को ऐसे विज्ञापन बहुत आकर्षित करते हैं, जिनमें बताया जाता है कि एक चीज कुछ ही मिनटों में बनकर तैयार हो जाएगी। सवाल है- समय की इतनी बचत करने के बाद क्या करेंगे? मोबाइल फोन चलाएंगे? बच्चों को स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खानपान संबंधी अच्छी आदतें सिखाएं। जंक फूड से जितना दूर रहें, उतना बेहतर है। अपने देश का शुद्ध और सात्विक खानपान सर्वश्रेष्ठ है।

ट्वीटर टॉक

प्रदेश में बालिका शिक्षा के हाल इतने बेहाल हैं कि सरकार की लेटलतीफी और अनिर्णयों के कारण कॉलेज आयुक्तालय प्रदेशभर की छात्राओं को समय पर स्कूटी नहीं दे पा रहा है। 2024-25 और 2025-26 के लिए निकाला गया टेंडर भी निरस्त कर दिया गया है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

खारी नदी में बजरी डंपर से हुई मौत एक हृदयविदारक घटना है, जो भाजपा सरकार के संरक्षण में पनप रहे बजरी माफिया के खुले कत्ल का प्रमाण है। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। बजरी माफिया बेलगाम हैं और भाजपा सरकार उनकी संरक्षक बनी हुई है।

-अशोक गहलोत

मुंबई में आयोजित जैन आचार्य, पद्म भूषण श्री रत्नसुंदर सूरीश्वर जी महाराज के साहित्यिक योगदान पर आधारित ऊर्जा 500 महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। आज जब विश्व में शांति की आवश्यकता है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

पारखी दृष्टि

एक बार की बात है, एक कला प्रेमी ने महान इतालवी मूर्तिकार माइकल एंजेलो से उनकी विश्वप्रसिद्ध 'डेविड' की मूर्ति को देखकर आश्चर्य से पूछा- महोदय, आपने पत्थर के एक साधारण और बेजान टुकड़े से इतनी जीवंत और सुंदर मूर्ति का निर्माण कैसे किया? यह तो किसी चमत्कार से कम नहीं लगता। माइकल एंजेलो ने मुस्कुराते हुए बहुत ही खूबसूरत उत्तर दिया, 'मैंने कोई निर्माण नहीं किया। यह मूर्ति तो पहले से ही उस पत्थर में विद्यमान थी। मैंने तो बस पत्थर के उस अनावश्यक हिस्से को छेनी-हथौड़े से काट कर हटा दिया, जो मूर्ति नहीं था। जैसे ही मैंने पत्थर से फालतू परतों को हटाया, उसमें मूर्ति के रूप में छिपा उसका सत्य अपने आप प्रकट हो गया।' माइकल एंजेलो ने दार्शनिक अंदाज़ में उस कला प्रेमी से कहा-जीवन का भी यही सार है। हमें पूर्णता पाने के लिए बाहर से कुछ नया नहीं जोड़ना है, बल्कि अपने भीतर छिपे क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या रूपी अनावश्यक पत्थरों को हटाना है। तभी हमारा श्रेष्ठ स्वरूप निखरकर सामने आएगा।

सामयिक

जब पहचान ही अपराध बन जाए

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

मोबाइल - 9955818270

हाल-फ़िलहाल बांग्लादेश में जिस प्रकार की लक्षित हिंसा देखने को मिल रही है, वह सामान्य कानून-व्यवस्था की विफलता से कहीं अधिक गहरी और चिंताजनक समस्या की ओर संकेत करती है। जो स्थिति प्रारंभ में आर्थिक संकट, महंगाई, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता से उपजे असंतोष के रूप में सामने आई थी, वह अब धीरे-धीरे पहचान-आधारित घृणा, संस्थागत निष्क्रियता और सामाजिक विश्वास के क्षरण में बदलती दिखाई दे रही है। देश के विभिन्न जिलों से सामने आ रही हत्याओं, हमलों और धमकियों की घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि हिंसा अब अराजक या आकस्मिक नहीं रही, बल्कि वह चयनित, सुनियोजित और विशेष समुदायों व व्यक्तियों को निशाना बनाकर की जा रही है। यह प्रवृत्ति बांग्लादेशी समाज की दिशा और राज्य की उस क्षमता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है, जिसके तहत वह अपने सभी नागरिकों को समानता और सुरक्षा देने के संवैधानिक वादे को निभाने के लिए बाध्य है। इस हिंसा की पृष्ठभूमि उस लंबे दौर के असंतोष से जुड़ी है, जिसकी शुरुआत राजनीतिक सुधारों और आर्थिक जवाबदेही की मांगों के साथ हुई थी। बीते एक वर्ष में शासन की विफलताओं, बढ़ती महंगाई, रोजगार के अवसरों की कमी और भ्रष्टाचार के आरोपों के विरुद्ध हुए आंदोलनों ने राज्य की नींव को हिला दिया। समय के साथ ये आंदोलन अपना केंद्रीकृत नेतृत्व और स्पष्ट दिशा खोते चले गए। इसी शून्य का लाभ उठाकर चरमपंथी प्रवृत्तियों, आपराधिक गिरोहों और अवसरवादी तत्वों को खुला मैदान मिल गया। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह अराजकता अब उन लोगों पर हमलों के रूप में सामने आ रही है, जिन्हें उनके कर्मों के कारण नहीं, बल्कि उनकी पहचान के कारण निशाना बनाया जा रहा है, विशेषकर धार्मिक अल्पसंख्यकों, छोटे व्यापारियों और उन व्यक्तियों को, जिन्हें सामाजिक या राजनीतिक रूप से कमजोर समझा जाता है।

हालिया घटनाएं इस भयावह वास्तविकता को और स्पष्ट करती हैं। कम समय के भीतर सामने आए कई मामलों में यह पाया गया कि पीड़ितों की हत्या उनकी धार्मिक या सामुदायिक पहचान की पुष्टि के बाद की गई। छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और यहां तक कि सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों पर ऐसे हमले हुए, जिनसे यह प्रतीत होता है कि ये कृत्य अचानक उपजे क्रोध का परिणाम नहीं, बल्कि पहले से सोचे-समझे और योजनाबद्ध अपराध थे। एक घटना में एक व्यापारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जबकि कुछ ही समय पहले पास के जिले में एक अन्य व्यवसायी को इसी तरह गोली मार दी गई थी। एक अन्य मामले में एक सांस्कृतिक कार्यकर्ता को पहले सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया, फिर उसकी हत्या कर दी गई और इस पूरी घटना को रिकॉर्ड कर प्रसारित किया गया। यह न केवल क्रूरता को दर्शाता है, बल्कि समाज में भय फैलाने और हिंसा को सामान्य बनाने की सोची-समझी कोशिश भी प्रतीत होती है।

ये घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं, बल्कि उस व्यापक पैटर्न का हिस्सा हैं, जो तब उभरता है जब राज्य की सत्ता कमजोर पड़ जाती है और जवाबदेही की व्यवस्थाएं ढहने लगती हैं। इतिहास गवाह है कि राजनीतिक संक्रमण या अस्थिरता के दौर में अल्पसंख्यक समुदाय अक्सर आसान निशाना बन जाते हैं। बांग्लादेश में भी यह प्रवृत्ति पहले देखी जा चुकी है, लेकिन वर्तमान दौर इसलिए अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें हिंसा की तीव्रता और आवृत्ति दोनों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। विशेष रूप से हिंदू नागरिकों को बार-बार निशाना बनाए जाने से व्यापक भय का वातावरण बन गया है और लोगों के मन में यह सवाल उठने लगा है कि क्या केवल नागरिक होना ही सुरक्षा की गारंटी देने के लिए पर्याप्त है। इस स्थिति को और गंभीर बनाने वाला एक पहलू अंतरिम प्रशासन की स्पष्ट निष्क्रियता या अक्षमता है। यद्यपि सरकारी बयान इन घटनाओं की निंदा करते हैं और जांच का आश्वासन देते हैं, लेकिन धरातल पर ठोस परिणाम बहुत कम दिखाई देते हैं। गिरफ्तारियां यदि होती भी हैं तो प्रायः देर से, और दोषसिद्धि तो और भी दुर्लभ है। यह विफलता केवल प्रशासनिक नहीं है; यह अपराधियों को यह संदेश देती है कि वे बिना किसी भय के हिंसा कर सकते हैं। जब न्याय में देरी होती है या वह मिलता ही नहीं, तब हिंसा एक अपवाद न रहकर सत्ता और नियंत्रण का साधन बन जाती है, जिसके माध्यम से असहमति और भिन्नता को दबाया जाता है।

इस हिंसा की जड़ें जटिल और आपस में जुड़ी हुई हैं। इसमें संदेह नहीं कि आर्थिक दबाव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बढ़ती कीमतें, सिकुड़ते रोजगार और आजीविका की अनिश्चितता ने समाज में व्यापक असंतोष को जन्म दिया है। किंतु केवल आर्थिक संकट यह नहीं समझा सकता कि हिंसा विशेष समुदायों की ओर ही क्यों निर्देशित हो रही है। पहचान की राजनीति, दुष्प्रचार और चरमपंथी विचारधाराओं ने सामाजिक विभाजनों को और गहरा कर दिया है। सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहें तेजी से फैलती हैं, जिनमें अल्पसंख्यकों को बाहरी, विशेषाधिकार प्राप्त या तथाकथित सच्ची राष्ट्रीय पहचान' में बाधा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। ऐसे वातावरण में क्रोध को दिशा मिल जाती है और वह कमजोर लक्ष्यों की ओर मुड़ जाता है। एक अन्य महत्वपूर्ण कारण संस्थागत संतुलन और नियंत्रण की कमजोर होती व्यवस्था है। जब पुलिस बल अत्यधिक दबाव में होते हैं, राजनीतिक हस्तक्षेप का सामना करते हैं या निर्णायक कार्रवाई से हिचकते हैं, तब अपराधी तत्वों का मनोबल बढ़ता है। जब न्यायपालिका धीमी या आम नागरिकों के लिए अप्राप्य प्रतीत होती है, तब पीड़ितों का कानूनी उपायों से विश्वास उठने लगता है। इस प्रकार एक दुश्चक्र बनता है- भय चुप्पी को जन्म देता है, चुप्पी आक्रामकों को प्रोत्साहित करती है और आक्रामकता कानून के शासन को और कमजोर करती है।

इस स्थिति के परिणाम केवल तात्कालिक मानवीय पीड़ा तक सीमित नहीं हैं। लक्षित हिंसा एक बहुलतावादी राष्ट्र की मूल अवधारणा को ही कमजोर कर देती है। बांग्लादेश की पहचान ऐतिहासिक रूप से सांस्कृतिक विविधता, भाषाई गर्व और एक धर्मनिरपेक्ष संवैधानिक ढांचे से निर्मित रही है। जब नागरिकों पर उनकी धार्मिक या सामाजिक पहचान के कारण हमला होता है, तो यह उस बुनियादी आत्मा पर प्रहार है। इसके अतिरिक्त, ऐसी हिंसा बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय छवि को भी नुकसान पहुंचाती है, जिससे पड़ोसी देशों, निवेशकों और मानवाधिकार संगठनों में चिंता बढ़ती है। सबसे दुखद प्रभाव आम नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य और मनोबल पर पड़ता है। भय केवल पीड़ितों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि धीरे-धीरे पूरे समाज में फैल जाता है। अल्पसंख्यक समुदायों के लोग लगातार असुरक्षा की भावना में जीने लगते हैं, अपनी दिनचर्या बदलने, सामाजिक संपर्क सीमित करने और यहां तक कि पलायन के बारे में सोचने को विवश हो जाते हैं। वहीं बहुसंख्यक समुदाय के लोग भी इससे अछूते नहीं रहते, क्योंकि सामाजिक ताने-बाने के टूटने और अविश्वास के बढ़ने से पूरा समाज प्रभावित होता है। भय में जीने वाला समाज न तो आगे बढ़ सकता है, न नवाचार कर सकता है और न ही स्वयं को स्वस्थ रूप से पुनर्निर्मित कर सकता है।

इस संकट से निपटने के लिए केवल तात्कालिक पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, नैतिक स्पष्टता और संस्थागत सुधारों पर आधारित एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सबसे पहले राज्य को स्पष्ट और बिना किसी शर्त के यह संदेश देना होगा कि पहचान के आधार पर की जाने वाली हिंसा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यह प्रतिबद्धता केवल भाषणों तक सीमित न रहे, बल्कि त्वरित जांच, पारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया और अपराधियों को कठोर दंड के रूप में दिखाई देनी चाहिए। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को स्वायत्तता और जवाबदेही दोनों प्रदान करनी होगी, ताकि वे बिना राजनीतिक दबाव के निर्णायक कार्रवाई कर सकें। इस प्रक्रिया में नागरिक समाज, मीडिया और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिम्मेदार पत्रकारिता दुष्प्रचार का मुकाबला कर सकती है और हिंसा की मानवीय कीमत को सामने ला सकती है। शिक्षा व्यवस्था को बहुलता, सहानुभूति और संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में काम करना चाहिए। धार्मिक और सामुदायिक नेताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे घृणा के विरुद्ध आवाज उठाएं और आस्था के नाम पर की जाने वाली हिंसा का प्रतिरोध करें।

बांग्लादेश आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। लक्षित हिंसा की वर्तमान लहर केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह न्याय, लोकतंत्र और मानवीय गरिमा के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता की परीक्षा है। यदि इसे अनदेखा किया गया, तो भय को सामान्य बनाने और समाज को अपूरणीय रूप से विभाजित करने का खतरा है। किंतु यदि साहस, जवाबदेही और समावेशन के साथ इसका सामना किया गया, तो यह संकट एक ऐसे मोड़ में बदल सकता है, जहां बांग्लादेश अपने मूल मूल्यों की पुनः पुष्टि करे और बिना किसी भेदभाव के अपने सभी नागरिकों की रक्षा करने के अपने वादे को नए सिरे से सशक्त रूप में स्थापित करे।

नजरिया

गिग-वर्कर्स की परेशानियों को समझना आवश्यक

रोहित माहेश्वरी

बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो,ऐसी कोई खबर नहीं मिली। गिग वर्करों की समस्या यह है कि वे जिन कंपनियों के लिए काम करते हैं, उनके वे कर्मचारी नहीं माने जाते। गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। गिग वर्कर्स यूनियनों का दावा है कि 31 दिसंबर को देश भर में 2 लाख से ज़्यादा डिलीवरी राइडर्स ने इस हड़ताल में हिस्सा लिया। गिग वर्कर्स ऐसे व्यक्ति होते हैं जो नौ पांच की पक्की नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले समय अवधि वाले या फ्रीलांसर के रूप में काम करते हैं। जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट आदि जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के डिलीवरी पार्टनर्स या ओला, उबर जैसे कैब प्लेटफॉर्म के लिए काम करने वाले लोग गिग वर्कर्स ही कहलाते हैं। इन्हें हर काम के लिए अलग-अलग पेमेंट मिलता है। ये लोग कंपनी के पक्के कर्मचारी नहीं होते। इसलिए इन्हें नियमित वेतन, भत्ते, या अन्य कर्मचारी लाभ (जैसे पेंशन, छुट्टी) नहीं देना पड़ता है। ऐसे वर्कर्स जितना काम करते हैं, उतना मेहनताना मिलता है।

भारत की गिग इकॉनमी में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, वित्त वर्ष 2024-25 तक लगभग 12 मिलियन गिग श्रमिकों का अनुमान है, जो सत्र 2020-21 में लगभग 7.7 मिलियन था। भारत की गिग इकॉनमी श्रम बाज़ार का एक प्रमुख हिस्सा बनकर उभरी है। बीते दिनों नववर्ष की पूर्व संध्या पर ऐप-आधारित डिलीवरी और परिवहन क्षेत्र से जुड़े हज़ारों श्रमिकों द्वारा की गई राष्ट्रव्यापी हड़ताल ने सुविधा आधारित अर्थव्यवस्था' के पीछे छिपी कठोर वास्तविकताओं को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। यह विरोध इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि गिग श्रमिक भारत के शहरी दैनिक सेवाओं के लिए कितने महत्त्वपूर्ण बन चुके हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गिग वर्कर्स कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनमें आय की अनिश्चितता, नौकरी की असुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा का अभाव, और एल्गोरिदम आधारित दबाव प्रमुख हैं, जिससे उन्हें कम वेतन और कठिन परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, और इन पर तत्काल सरकारी नियमन और बेहतर कार्य परिस्थितियों की ज़रूरत है, जैसा कि हालिया हड़तालों से पता चला है, ताकि उनका शोषण रुके और उन्हें न्याय मिले। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है।

गिग वर्करों की समस्याएं इसलिए और बढ़ गई हैं, क्योंकि दस मिनट में भी सामान की डिलीवरी करने का चलन जोर पकड़ गया है। इस चलन पर फिर से विचार होना चाहिए, क्योंकि इससे गिग वर्करों के साथ दुर्घटनाएं होने का जोखिम बढ़ गया है। कई बार गिग वर्कर शीघ्र सामान पहुंचाने के फेर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते दिखते हैं। निःसंदेह गिग वर्कर बढ़ रहे हैं, लेकिन उन्हें मिलने वाले मेहनताने को आकर्षक नहीं कहा जा सकता। डिलिवरी समय-सीमा और सड़क सुरक्षा के बीच संबंध को साबित करने के लिए आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन समस्या इतनी गंभीर हो गई थी कि बेंगलूरु पुलिस ने इस पर ध्यान दिया और डिलिवरी कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। वहां की पुलिस ने यह कदम तब उठाया जब उसने लापरवाह ड्राइविंग के कारण डिलिवरी पार्टनर्स के खिलाफ बुकिंग और जुर्माने में उल्लेखनीय वृद्धि देखी। इसलिए, गिग श्रमिकों की यह मांग कि इन समय-सीमाओं को समाप्त किया जाए, निराधार नहीं है। सत्र 2020-21 में प्लेटफॉर्म आधारित कामों में 77 लाख श्रमिक लगे थे और अनुमानतः सत्र 2029-30 तक इनकी संख्या बढ़कर 2.35 करोड़ होने की उम्मीद है। ऐसे में सरकार के साथ उन कंपनियों को भी उनकी सुधि लेनी होगी, जिनके लिए वे काम करते हैं। उन्हें केवल सामाजिक सुरक्षा के ही दायरे में नहीं लाया जाना चाहिए, बल्कि ऐसे उपाय भी किए जाने चाहिए, जिससे उनका शोषण न हो सके और वे अपने भरण पोषण लायक आय अर्जित कर सकें। इस पर भी ध्यान दिया जाए कि सामान की डिलीवरी के लिए बैटरी चालित दोपहिया वाहनों का ही उपयोग हो। यह भी समय की मांग है कि गिग वर्करों के साथ असंगठित क्षेत्र के अन्य सभी कामगारों के हित की भी चिंता की जाए। यह ठीक नहीं कि लाखों अस्थायी कामगार सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बाहर हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गिग इकॉनमी आज तीव्र विस्तार और श्रम न्याय की तात्कालिक आवश्यकता के बीच एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है।

गिग वर्कर्स की कमाई अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर निर्भर है। ग्राहक के घर से रेस्टोरेंट की दूरी के आधार पर इनकी कमाई तय होती है। इस संबंध में पीएआईजीएएम और पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध के आंकड़ों कहते हैं, लगभग 50 फीसदी डिलीवरी कर्मचारी प्रतिदिन 201-600 रुपये कमाते हैं, जबकि लगभग 43 फीसदी कैब-आधारित गिग वर्कर रोजाना 500 रुपये से कम कमाते हैं। विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अक्सर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है।

निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग-वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये। दरअसल, प्लेटफॉर्म अकसर प्रोत्साहन और अतिरिक्त वेतन के जरिये श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन को दबा देते हैं। नीति आयोग के वर्ष 2024 के एक सर्वेक्षण ने खुलासा किया कि 90 फीसदी गिग श्रमिकों के पास बचत नहीं है।

प्लेटफॉर्म के कुछ व्यवहार जैसे छुट्टी लेने वाले कर्मियों को डिस्कनेक्ट करना, उनकी आय की अस्थिरता को और बढ़ा देते हैं। हड़ताल की धमकी के जवाब में, कुछ एग्रीगेटर्स ने क्रिसमस और वर्षांत के दौरान प्रोत्साहन भुगतान बढ़ा दिए। निश्चित रूप से गिग-वर्कर्स का लगातार 14 घंटे काम करने के बावजूद सात-आठ सौ रुपये कमाना और दुर्घटना बीमा से वंचित रखना, इस व्यवस्था की उन खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें केवल फौरी लालच या प्रोत्साहन से ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में हालिया श्रम सुधारों का महत्व बढ़ जाता है। जिसमें पहली बार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को कानून के तरह औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर के टर्नओवर का एक से दो फीसदी सामाजिक सुरक्षा कोष में अनिवार्य योगदान और आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर को कानूनी मान्यता की दिशा में एक लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव का संकेत देते हैं। लेकिन बात तब बनेगी, जब इस प्रस्ताव के प्रावधानों को सही तरह लागू करने में सफलता मिलेगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रोजगार सृजन के प्रेरक शैक्षिक संस्थान हैं : 'कीट' और 'कीस'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। शिक्षण संस्थानों का आजीविका सृजन पर प्रभाव अक्सर कम आँका जाता है, लेकिन ओडिशा में केआईआईटी और केआईएसएस का उदाहरण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अकादमिक संस्थान किस तरह बड़े पैमाने पर आजीविका परिवर्तन के प्रेरक बन सकते हैं। शिक्षा को आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़कर केआईआईटी और केआईएसएस ने न केवल रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, बल्कि उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और सतत विकास को भी बढ़ावा दिया है। घखखढ ने यह सिद्ध किया है कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान के केंद्र ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आजीविका संरचना को प्रभावित करने वाले शक्तिशाली आर्थिक इंजन भी हो सकते हैं।

केआईआईटी में 20,000 से अधिक शिक्षक और कर्मचारी कार्यरत हैं, जिससे यह ओडिशा के सबसे बड़े रोजगार सृजकों में से एक बन गया है। इसके अतिरिक्त, परिसर संचालन से जुड़े संविदा कर्मियों की संख्या इस आंकड़े को लगभग दोगुना कर देती है, जिससे हजारों परिवारों को स्थायी आय के स्रोत प्राप्त होते हैं। हालाँकि, इसका वास्तविक प्रभाव प्रत्यक्ष रोजगार से कहीं आगे तक फैला हुआ है। 40,000 से अधिक छात्रों की उपस्थिति ने एक सशक्त आर्थिक पारितंत्र (इकोसिस्टम) को जन्म दिया है, जिसके कारण छात्रावास, परिवहन सेवाएँ, भोजनालय, कपड़े धोने की सेवाएँ, पुस्तकालय, मोबाइल मरम्मत की दुकानें जैसे हजारों छोटे व्यवसाय फल-फूल रहे हैं। विश्वविद्यालय की मौजूदगी ने रियल एस्टेट क्षेत्र को भी गति दी है, जिससे किराये की अर्थव्यवस्था विकसित हुई है और स्थानीय मकान मालिकों व बिल्डरों के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा हुए हैं।

केआईआईटी का रोजगारोन्मुख शिक्षा पर विशेष जोर यह सुनिश्चित करता है कि छात्र उद्योग-संगत कौशलों से लैस हों और उन्हें कार्यबल में

सहज रूप से प्रवेश मिल सके। पारंपरिक नौकरियों के अलावा, केआईआईटी ने एक सशक्त उद्यमशीलता वातावरण भी विकसित किया है, जहाँ छात्रों और पूर्व छात्रों को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार सृजन के लिए प्रेरित किया जाता है। के आई आई टी-टीबीआई (टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर) ने सैकड़ों स्टार्टअप्स को समर्थन दिया है, जिनमें से कई ने प्रौद्योगिकी, कृषि और सामाजिक उद्यम के क्षेत्रों में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न किए हैं।

जहाँ केआईआईटी उच्च शिक्षा और तकनीकी कौशल विकास को बढ़ावा देता है, वहीं केआईएसएस जमीनी स्तर पर शिक्षा आधारित आजीविका परिवर्तन का एक अनुकरणीय मॉडल है।

40,000 आदिवासी बच्चों को पूर्णतः निःशुल्क और आवासीय शिक्षा प्रदान कर केआईएसएस यह सुनिश्चित करता है कि समाज के सबसे वंचित वर्गों को भी आर्थिक उन्नति का अवसर मिले। इसके अनेक पूर्व छात्र अपने गाँवों में शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी, उद्यमी या सरकारी कर्मचारी बनकर लौटते हैं, जिससे उनके समुदायों में चक्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

केआईआईटी और केआईएसएस का आजीविका पर प्रभाव केवल छात्रों और कर्मचारियों तक सीमित नहीं है। देश-विदेश से आने वाले छात्रों के कारण शैक्षणिक पर्यटन में वृद्धि हुई है, जिससे अभिभावकों, शोधकर्ताओं और सम्मेलन प्रतिभागियों के माध्यम से स्थानीय होटल, भोजनालय और परिवहन व्यवसाय को लाभ मिला है। इसके अलावा, केआईआईटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, खेल प्रतियोगिताएँ और सांस्कृतिक उत्सव मौसमी रोजगार के अवसर पैदा करते हैं, जिनसे कार्यक्रम प्रबंधन, सुरक्षा, खानपान और परिवहन क्षेत्रों में हजारों अस्थायी नौकरियाँ सृजित होती हैं। भविष्य की ओर देखते हुए, केआईआईटी और केआईएसएस मॉडल संभावनाओं का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह सिद्ध करता है कि करुणा और दूरदृष्टि से प्रेरित शिक्षा ही आजीविका सृजन और आर्थिक समृद्धि का सबसे टिकाऊ माध्यम है।

अच्युत सामंत बने भारतीय वॉलीबॉल महासंघ के मुख्य संरक्षक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। कीट और टीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत को सर्वसम्मति से भारतीय वॉलीबॉल महासंघ (वीएफआई) का मुख्य संरक्षक निर्वाचित किया गया है। यह निर्णय वाराणसी में आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2026 के दौरान लिया गया।

इस चैंपियनशिप का उद्घाटन रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। भारतीय वॉलीबॉल महासंघ की वार्षिक साधारण परिषद की बैठक वाराणसी में संपन्न हुई, जिसमें देशभर के सभी राज्यों के वॉलीबॉल संघों के अध्यक्ष, सचिव एवं पदाधिकारी शामिल हुए। इसी बैठक में डॉ. सामंत को मुख्य संरक्षक नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। महासंघ ने खेलों, विशेषकर वॉलीबॉल के विकास में डॉ. सामंत के दीर्घकालिक और महत्वपूर्ण योगदान को उनकी नियुक्ति का मुख्य कारण बताया। बैठक में सामान्य परिषद ने राष्ट्रीय युवा वॉलीबॉल चैंपियनशिप के आयोजन को 'कीट' में कराने की भी मंजूरी दी जिससे राष्ट्रीय स्तर पर वॉलीबॉल के प्रोत्साहन में ओडिशा की भूमिका और सुदृढ़ हुई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस

मुंबई में बुधवार को मुंबई इंडियंस की हेड कोच लिसा कीटली, कैप्टन हरमनप्रीत कौर और मेंटर झूलन गोस्वामी, मुंबई में विमेंस सुपर लीग की प्री-सीजन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

बांग्लादेश 29 जनवरी से पाकिस्तान के लिए सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेगा

ढाका/भाषा। बांग्लादेश सरकार के स्वामित्व वाली बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस 29 जनवरी से ढाका और कराची के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेगी। इसके साथ ही एक दशक से अधिक समय के बाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच निर्बाध हवाई संपर्क बहाल हो जाएगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

बांग्ला दैनिक 'प्रथम आलो' ने एयरलाइंस के एक बयान का हवाला देते हुए बताया ''शुरुआत में उड़ानें सप्ताह में दो बार, बृहस्पतिवार और शनिवार को संचालित होंगी।''

यह उड़ान ढाका से स्थानीय समयानुसार रात आठ बजे प्रस्थान करेगी और कराची में रात 11 बजे पहुंचेगी। वापसी की उड़ान कराची से रात 12 बजे प्रस्थान करेगी और ढाका में तड़के 4:20 बजे पहुंचेगी।

वर्ष 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के रिश्तों में प्रगाढ़ता आई है। बांग्लादेश और पाकिस्तान ने वर्षों के तनावपूर्ण संबंधों के बाद राजनयिक, व्यापारिक और लोगों के आपसी संबंधों को फिर से मजबूत करने के लिए हाल के महीनों में कई कदम उठाए हैं। ढाका और कराची के बीच सबसे छोटा मार्ग भारतीय हवाई क्षेत्र से होकर है, लेकिन अभी यह पता नहीं चल पाया है कि बांग्लादेश ने उड़ान भरने की अनुमति के लिए भारत से आवश्यक मंजूरी प्राप्त कर ली है या नहीं। बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के अधिकारियों के हवाले से समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूजडॉट नेट' की खबर में कहा गया है कि ढाका-कराची मार्ग को फिर से खोलने के लिए पाकिस्तानी नियामकों के साथ कई महीनों से बातचीत चल रही थी। इससे पहले 2012 में सीधी उड़ानें थीं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान नागर विमानन प्राधिकरण से औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद यह सेवा फिर से शुरू की जा रही है। प्राधिकरण ने बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस को इस मार्ग पर परिचालन करने और पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के भीतर निर्दिष्ट हवाई गलियारों का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है।

दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने की योजना की घोषणा सबसे पहले पिछले साल अगस्त में पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार की ढाका यात्रा के दौरान की गई थी।

अंतरिक्ष संस्थानों का नेतृत्व संभालने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए: आईआईए निदेशक

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय खगोलभौतिकी संस्थान (आईआईए) की निदेशक प्रोफेसर अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम ने बुधवार को कहा कि भारतीय अंतरिक्ष संस्थानों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, लेकिन उन्हें नेतृत्व संभालने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। आईआईए की पहली महिला निदेशक प्रोफेसर सुब्रमण्यम ने यहां भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) में आयोजित 'एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया' (एएसआई) की पांचवीं संगोष्ठी के उदघाटन के अवसर पर कहा कि महिलाओं को संस्थागत और पारिवारिक स्तर पर अधिक समर्थन की जरूरत है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, अंतरिक्ष अन्वेषण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के साथ भारत लगातार प्रगति कर रहा है, लेकिन शीर्ष नेतृत्व स्तर पर उनकी उपस्थिति अभी कम है।

मुकाबला

कोलकाता में बुधवार को भारत की ग्रैंडमास्टर हरिका द्रोणावल्ली एक मैच के दौरान अपनी हमवतन दिव्या देशमुख के खिलाफ मुकाबला करती हुईं।

जावेद जाफरी की फिल्म 'मायासभा' 30 जनवरी को होगी रिलीज

नयी दिल्ली/भाषा। जावेद जाफरी की फिल्म 'मायासभा' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में वह मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। राही अनिल बर्वे के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मोहम्मद समद, वीणा जामकर और दीपक दामले भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले इस फिल्म की स्क्रीनिंग 'तीसरे एशियन फिल्म फेस्टिवल' में की जाएगी। निर्देशक बर्वे ने कहा कि फिल्म को लेकर अब तक मिली प्रतिक्रिया काफी उत्साहजनक रही है।

पर्दे पर फिर लौट रही सैयामी खेर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में कुछ कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को इतनी पसंद आती है कि वे पर्दे पर उस जोड़ी को फिर से देखने के लिए उत्साहित रहते हैं। सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी कुछ ऐसी ही है। दोनों ने पहले 'अनपॉज्ड' और '8 ए.एम. मेट्रो' जैसी फिल्मों में साथ काम किया, जिसमें उनके बीच की कमेस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद आई। अब यह जोड़ी फिर से एक साथ एक नए प्रोजेक्ट में नजर आने वाली है। एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि सैयामी और गुलशन ने हाल ही में इस नए प्रोजेक्ट की शूटिंग पूरी कर ली है। उनकी जोड़ी को दोबारा स्क्रीन पर देखना दर्शकों के लिए हमेशा सुखद अनुभव रहा है। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि यह नया प्रोजेक्ट फिल्म है या वेब सीरीज, लेकिन इस जोड़ी को देखने के लिए फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सूत्र ने बताया कि इस नए प्रोजेक्ट की सभी जानकारी सीक्रेट रखी गई है, जिनका जल्द ही खुलासा हो सकता है। सैयामी खेर इन दिनों अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ फिल्म 'हैवान' में नजर आने वाली है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शरीब हाशमी भी अहम किरदार

में हैं। फिल्म की शूटिंग कोच्चि, ऊटी और मुंबई जैसे शहरों में हुई।

वहीं गुलशन देवैया भी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस सीरीज में उन्होंने विष्णु नाम के एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया है, जो एक 'परफेक्ट' दिखने वाले परिवार का हिस्सा है। ये परिवार बाहर से खुश है, लेकिन अंदर से टूटा हुआ है। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया। इसमें गुलशन देवैया के अलावा, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और नेहा धूपिया भी हैं। यह सीरीज 27 नवंबर को यूट्यूब चैनल जार सीरीज पर रिलीज हुई।

बांग्लादेश ने जेएफ-17 लड़ाकू विमान खरीदने में रुचि दिखाई है : पाकिस्तान

लाहौर/भाषा। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमान खरीदने में रुचि दिखाई है। पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को यह दावा किया। जेएफ-17 लड़ाकू विमान एक बहु-भूमिका वाला विमान है और इसे चीन तथा पाकिस्तान ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। पाकिस्तान का दावा है कि इस लड़ाकू विमान ने मई 2025 में भारत के साथ चार-दिवसीय सैन्य संघर्ष के दौरान अपनी युद्धक क्षमताओं को साबित कर दिया है।

पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, यह घटनाक्रम मंगलवार को इस्लामाबाद में बांग्लादेश वायुसेना के एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान और पाकिस्तान वायुसेना (पीएएफ) के एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू के बीच हुई बैठक के दौरान सामने आया। पाकिस्तान सेना की मीडिया इकाई इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, ''बैठक में परिचालन सहयोग और संस्थागत तालमेल को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और एयरोस्पेस प्रगति में सहयोग शामिल है।''

अभियान

कोलकाता में बुधवार को 2016 अपर प्राइमरी रिक्रूटमेंट टेस्ट पास करने वाले कैंडिडेट्स ने अपॉइंटमेंट लेटर जारी करने, बिना अपॉइंटमेंट वाले कैंडिडेट्स को मुआवजा देने और दूसरी मांगों को लेकर कोलकाता में एक प्रोटेस्ट मार्च 'नबन्ना अभियान' में हिस्सा लिया।

रुक्मिणी वसंत का भव्य अनावरण, यश की फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में 'मेलिसा' के रूप

मुंबई/एजेन्सी

यश की टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स हर नए खुलासे के साथ और भी गहरी, डार्क और बेबाक होती जा रही है। यह फिल्म अब एक ऐसी सिनेमाई दुनिया गढ़ रही है, जो हर मोड़ पर चौंकाती है। इसी रोमांचक सफर में मेकर्स ने एक बड़ा पत्ता खोला हैरुक्मिणी वसंत की एंट्री, जो 'मेलिसा' के किरदार में नजर आएंगी। शालीन, प्रभावशाली और बिल्कुल न झुकने वाली मेलिसा के रूप में रुक्मिणी की मौजूदगी फिल्म के इंटेंस ड्रामा को एक नया आयाम देती है। यह फिल्म रुक्मिणी वसंत और यश के बीच पहली दमदार साझेदारी को भी चिन्हित करती है, वो भी निर्देशक गीतू मोहनदास की खास सिनेमाई दृष्टि के साथ। अपनी समझदार परफॉर्मेंस और भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी की एंट्री इस बात का संकेत है कि दर्शकों को एक ऐसी अदाकारी देखने को मिलेगी, जो गीतू की परतदार और माहौल रचने वाली कहानी कहने की शैली में पूरी तरह घुली-मिली होगी। वहीं यश का सपना भी साफ झलकता हैएक ऐसी भारतीय फिल्म बनाना, जो स्केल में ग्लोबल हो और भावनाओं में हर

किसी से जुड़ जाए। नादिया के रूप में कियारा आडवाणी, एलिज़ाबेथ के रूप में हुमा कुरैशी, गंगा के रूप में नयनतारा और रेबेका के रूप में तारा सुतारिया के दमदार फर्स्ट लुक्स के बाद, अब टॉक्सिक की रहस्यमयी दुनिया में मेलिसा की एंट्री होती है। 1960 के दशक के आखिरी दौर की एक रंगीन लेकिन धुंधली पार्टी की पृष्ठभूमि में मेलिसा खुद को पूरे आत्मविश्वास के साथ पेश करती हैं। चारों ओर जश्न, शोर और हलचल है, लेकिन उनकी नजरें एकदम सटीक और दृढ़ हैं। जहां बाकी दुनिया बहती हुई सी लगती है, वहीं मेलिसा हर कदम सोच-समझकर रखती हैं, ऐसे अंदाज़ में कि पूरी महफिल पर उनका ही असर छा जाता है। हर नए खुलासे के साथ फिल्म और भी धारदार होती जा रही है। इसका भावनात्मक दायरा फैल रहा है, सिनेमाई पैमाना और बड़ा हो रहा है और टॉक्सिक खुद को 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में मजबूती से स्थापित कर रही है।

निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, रुक्मिणी में मुझे सबसे ज्यादा जो चीज़ पसंद है, वो है एक कलाकार के तौर पर उनकी बुद्धिमत्ता। वो सिर्फ अभिनय नहीं करतीं, वो किरदार को समझती हैं, उसे प्रोसेस करती हैं। उनके सवाल शक से नहीं, जिज्ञासा से आते हैं और यही बात मुझे भी एक निर्देशक के तौर पर और गहराई से सोचने पर मजबूर करती है। कई बार तो अपने ही फैसलों पर दोबारा विचार करने लगती हूं। उन्हें काम करते देख मुझे एहसास होता है कि स्क्रीन पर इंटेलिजेंस अक्सर वहां होती है, जो कहा नहीं जाता। शूट के बीच-बीच में मैं उन्हें चुपचाप अपनी डायरी में कुछ लिखते देखती हूंसेट से जुड़े छोटे किस्से, अपने विचार। ये छोटे पल उनके प्रोसेस के बारे में बहुत कुछ कह जाते हैं।

वो लगातार अपनी एक अंदरुनी दुनिया बना रही होती हैं। उनका यह अप्रोच मुझे बेहद सोच-समझ से भरा लगता है और सच कहूं तो कई बार मन करता है कि उनकी डायरी के पन्ने चुपके से पढ़ लूं, ताकि उस दिमाग को समझ सकूं, जो इतनी परतदार परफॉर्मेंस के पीछे है।

यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी गई और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स को कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ फिल्माया गया है। इसके साथ ही हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई अन्य भाषाओं में डब वर्ज़न की योजना है, जो इसके ग्लोबल विज़न को साफ दर्शाता है।

फिल्म की तकनीकी टीम भी उतनी ही दमदार हैनेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं, संगीत में रवि बस्रूर का जादू होगा, एडिटिंग की कमान उज्ज्वल कुलकर्णी के हाथ में है और प्रोडक्शन डिजाइन टीपी आबिद ने किया है। हाई-ऑक्टेन एक्शन को हॉलीवुड के मशहूर एक्शन डायरेक्टर जेजे पेरी, जिन्हें जॉन विक के लिए जाना जाता है, के साथ नेशनल अवॉर्ड विजेता जोड़ी अंबरिव और केचा खाम्फाकडी ने कोरियोग्राफ किया है। वेनकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी टॉक्सिक की भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ 19 मार्च 2026 को तय है। यह लंबा फेस्टिव वीकेंड होगा, जब ईद, उगादी और गुड़ी पड़वा एक साथ आएंगेऔर टॉक्सिक बड़े पर्दे पर जश्न को और भी बड़ा बनाने के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

'पिंजर' में मुख्य भूमिका की पेशकश मुझे की गई थी : जूही बब्बर

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री जूही बब्बर का कहना है कि उन्हें अमृता प्रीतम के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित 2003 की फिल्म पिंजर में मुख्य भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन अंत में उन्हें बदल दिया गया क्योंकि निर्माता एक बड़ी अभिनेत्री को कास्ट करने के इच्छुक थे। चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत के विभाजन के दौरान हिंदुओं और मुसलमानों द्वारा झेले गए संघर्षों पर आधारित है। इस फिल्म में उर्मिला मातोंडकर ने पुरो की मुख्य भूमिका निभाई है और उनके साथ मनोज बाजपेयी व संजय सूरी भी हैं। जूही ने 'पीटीआई भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में बताया, एक फिल्म थी जिसका नाम 'पिंजर' था, उसमें उर्मिला मातोंडकर ने जो भूमिका निभायी है वह मुझे निभानी थी। मैं इसके लिए डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी को दोष नहीं

दूंगी। वह मेरे काम की सराहना करते हैं। उस समय उनका करियर शुरू ही हुआ था और उन्होंने कहा था, 'जब भी मैं 'पिंजर' बनाऊंगा, तुम उसमें अभिनय करोगी', लेकिन फिर एक बड़े निर्माता इस प्रोजेक्ट से जुड़ गए और उन्हें एक बड़े कलाकार की जरूरत थी।

इसके बाद निर्देशक ने उन्हें लाजो का किरदार निभाने का प्रस्ताव दिया, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। अंततः यह भूमिका तुम बिन फिल्म की मशहूर अभिनेत्री संदली सिन्हा ने निभाई। जूही ने बताया, मैंने डॉक्टर साहब (डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी) से कहा था कि मैं यह नहीं कर पाऊंगी क्योंकि मेरा दिल पुरो (मुख्य भूमिका) में लगा हुआ था और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दे पाऊंगी। मैं एक साल से पुरो के किरदार के बारे में सोच रही थी, उपन्यास भी पढ़ चुकी थी, लेकिन फिर भी ऐसा नहीं हुआ। तो, जो होना होता है, वही होता है। उस समय मैं बहुत छोटी थी। शुक्र है, मैंने कुछ सही फैसले लिए। अभिनेत्री ने कहा कि उनके और द्विवेदी के बीच अभी भी सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और निर्देशक ने द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली में उनके काम की प्रशंसा की। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें 2002 में आई फिल्म शरारत में अभिषेक बच्चन के साथ काम करने का भी मौका मिला था, लेकिन एक बार फिर उनकी जगह एक अन्य लोकप्रिय अभिनेत्री (हृषिता भट्ट) को ले लिया गया।

आदियोगी रथ यात्रा सभी इलाके में घूमकर महाशिवरात्रि से पहले भक्ति जगा रही है

आदियोगी रथम 15 जनवरी को इरोड पहुंचेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईरोड़। जैसे-जैसे ईशा महाशिवरात्रि से पहले आध्यात्मिक उत्साह बढ़ रहा है, आदियोगी रथ यात्रा कोंगु इलाके के कस्बों और गांवों को भक्ति के जीवंत केंद्रों में बदल रही है। थेनकाइला भक्ति पेरावई, सिरवई और पेरूर अधीनम द्वारा मिलकर आयोजित यह पवित्र जुलूस हजारों भक्तों को अपनी ओर खींच रहा है, क्योंकि यह तमिलनाडु में घूम रहा है और स्थानीय समुदायों में आदियोगी शिव की मौजूदगी को पहुंचा रहा है। इस चल रही यात्रा के हिस्से के तौर पर, आदियोगी रथम 15 जनवरी को इरोड पहुंचेगा और दो दिनों तक शहर में रहेगा, जिससे भक्तों को अपने आस-पड़ोस में आदियोगी के दर्शन करने का मौका मिलेगा। यात्रा की जानकारी इरोड के द ओएसिस रेस्टोरेंट में हुई एक प्रेस मीट में दी गई, जहाँ ऑडिटर रवींद्रन, इंडस्ट्रियलिस्ट शिवशंकरन और गांधीमथी समेत थेनकाइला भक्ति पेरावई के सदस्यों ने मीडिया को बताया। रथ यात्रा 15 फरवरी को कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में होने वाले बड़े महाशिवरात्रि सेलिब्रेशन में हिस्सा लेने के लिए एक खुला आध्यात्मिक न्योता है, साथ ही जो लोग कोयंबटूर नहीं जा सकते, उन्हें लोकल लेवल पर आदियोगी की मौजूदगी का अनुभव करने का मौका भी देती है।

हर आदियोगी रथम को बहुत ध्यान से बनाया गया है और इसमें 7 फुट ऊंची आदियोगी की मूर्ति है। ऐसे कुल चार रथ पूरे तमिलनाडु में यात्रा कर रहे हैं। महाशिवरात्रि से पहले दो महीने के समय में, ये रथ मिलकर लगभग 30,000 किलोमीटर का सफ़र करेंगे, जो 1,000 से ज़्यादा गांवों और 250 से ज़्यादा पाडल पेट्रा शिव मंदिरों से गुज़रेगा। हर पड़ाव पर, आदिनाम, लोकल नेता, भक्त और लोग रथों का गहरी श्रद्धा से स्वागत करते हैं, और आदियोगी को दीप-आराधना, फूल, फल और नैवेद्यम चढ़ाते हैं, जिससे हर पड़ाव मिलकर भक्ति का पल बन जाता है।

राजनीति समाजसेवा एवं सिनेमा के दिग्गजों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मीडिया वर्क्स द्वारा आयोजित इंडियन अवॉर्ड्स 2025 में सिनेमा, समाजसेवा , राजनीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में अभिनेता अरुण विजय को श्रेष्ठ अभिनेता तथा अभिनेत्री रेजिना कैसांद्रा को श्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्रदान किया गया। वरिष्ठ अभिनेता एवं राजनेता आर. सरतकुमार को आइकॉन ऑफ इंडियन सिनेमा सम्मान से सम्मानित किया गया। तमिलनाडु के दुग्ध एवं डेयरी विकास मंत्री मनो थंगराज को डेयरी किसानों के कल्याण में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभिनेता योगी बाबू को तीसरी बार श्रेष्ठ कॉमेडीयन अभिनेता के पुरस्कार से सम्मानित किया गया निर्देशक विक्रमन को कैप्टन विजयकांत अवॉर्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मडोना सेबेस्टियन, गौरी किशन राजिशा विजयन, शेन निगम, प्रीति आरस्वानी, सिद्धि इदानी, अथुल्या सैंडी एवं कोरियोग्राफर कला मास्टर सहित अनेक सीने कलाकारों को सम्मानित किया गया। समारोह में संस्थापक जॉन अम्लान तथा विशिष्ट अतिथि आइएएस जयशीलन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

माहेश्वरी महिला संगठन ने दो आश्रम में बांटी राशन सामग्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मकरसंक्रांति के उपलक्ष्य में मानवीय सेवा कार्य के तहत माहेश्वरी महिला संगठन ने शहर के दो आश्रम में दो माह की राशन सामग्री का सहयोग दिया। संगठन ने तवरेकेरे स्थित साईं स्नेहधामा वृद्धाश्रम जिसमें 170 मूक-बधिर बच्चे, लड़के, लड़कियां, वृद्ध महिलाएँ, पुरुष है तथा दूसरा सेंट थॉमस टाउन में स्थित स्नेहदीप ट्रस्ट फॉर दि डिसेबल्ड आश्रम में जिसमें 60 दृष्टिहीन लड़के लड़कियां है को खाद्य सामग्री भेंट की। इस सेवा कार्य में अध्यक्षा श्वेता बियाणी, विजय लक्ष्मी सारड़ा, गायत्री मालपानी, बिमला चांडक , बिन्दु गिलड़ा, नम्रता मिलक , सुमित्रा चांडक सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

मानव सेवा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेन्टर के सदस्यों ने मंगलवार रात्रि को सज्जनराव सर्कल के आसपास 500 जरूरतमंदों को ठंड से राहत पाने के लिए कंबल एवं गर्म टोपी का वितरण किया। संस्था के अध्यक्ष विजयराज सिसोदिया, मुख्य सचिव आशिक पिरगल ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची साधना है। संस्था सदैव करुणा, सेवा और समाज कल्याण के मार्ग पर अग्रसर रहने का प्रयास करेगा। सदस्यों ने सभी दानदाताओं के प्रति आभार जताया तथा अपने हाथों से जरूरतमंदों को कम्बल व टोपी का वितरण किया।

ज्ञानशाला प्रशिक्षक सम्मान समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में ज्ञानशाला प्रशिक्षक सम्मान समारोह-2025 का आयोजन तैनामपेट स्थित कामराज मेमोरियल हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं के सामूहिक मंगलाचरण गीत से हुआ। सभा अध्यक्ष अशोक खतंग ने सभी का स्वागत किया। ज्ञानशाला आंचलिक संयोजिका अनीता चोपड़ा एवं सह-संयोजिका कविता रायसोनी ने ऑनलाइन ज्ञानशाला गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते हुए प्रशिक्षकों को करणीय कार्यों के संबंध में प्रेरित किया। ज्ञानशाला प्रभारी राजेश सांड ने अपने उद्बोधन में ज्ञानशाला को और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाने हेतु संकल्पबद्ध प्रयास करने का आह्वान किया। ज्ञानशाला की वर्ष 2024 एवं 2025 की कुछ अनमोल झलकियाँ एक वीडियो क्लिप के माध्यम से प्रदर्शित की गईं।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में चेन्नई ज्ञानशाला की 25 शाखाओं की लगभग 160 प्रशिक्षिकाओं का क्रमबद्ध रूप से मंचीय सम्मान किया गया। साथ ही ज्ञानशाला एवं सभा संस्था के समस्त कार्यकर्ताओं का नामोल्लेख कर उन्हें मंच पर आमंत्रित किया गया।

प्रशिक्षकों के सम्मान हेतु सभा अध्यक्ष, मंत्री, तेरापंथ महासभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नखत, सभा एवं संघीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। संचालन दीप्ति नाहर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सभा मंत्री गजेंद्र खांटेड ने प्रस्तुत किया।

प्रदर्शन

कोलकाता में बुधवार को 'आशा' वर्कर्स ने कोलकाता में स्वास्थ्य भवन के बाहर राज्य सरकार के खिलाफ 'घेराव' आंदोलन के तहत विरोध प्रदर्शन किया।

अपहरण के बाद बच्ची की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के पूर्वी हिस्से में स्थित व्हाइटफील्ड इलाके के पास छह साल की बच्ची का अपहरण कर उसकी हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़िता पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की बेटी थी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के पिता ने बेटी के पांच जनवरी की दोपहर से लापता होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई और उसने नजदीक ही रह रहे पश्चिम बंगाल के एक मजदूर की संलिप्तता का संदेह जताया।

पीड़िता के पिता ने बताया कि उसे उक्त व्यक्ति पर संदेह है क्योंकि जहां पर बच्ची खेल रही थी वहां पर उसे देखा गया था। पुलिस को मिली शिकायत के मुताबिक बेटी के लापता होने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में पुलिस को इसकी सूचना दी। बच्ची का शव बाद में पट्टंदूर अग्रहारा के पास एक सूखे नाले में मिला। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बच्ची की गला दबाकर हत्या की गई।

पुलिस के अनुसार यौन उत्पीड़न के संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस ने बताया कि हत्या के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। परिवार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है और संदिग्ध को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

मन की पवित्रता से ही जीवन आगे बढ़ता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वीवी पुरम में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि मन को नियंत्रण कर लो, जीवन सुधर जाएगा। यह मन ही तो है जो पाप, पुण्य कराता है, जीवन को नेक और अनेक रास्तों पर ले जाता है इसलिए कहा गया है कि मन के हारे हार है, मन की जीते जीत। मन की पवित्रता से जीवन आगे बढ़ता है, क्योंकि जीवन में मन ही है जो स्वयं भटकता है और जीवन को भी भटकाता है। यदि वह अपने वश में हो जाता है तो सब कुछ सही रहता है। जीवन का उत्थान होता है। जिंदगी केवल तीन श्वांस की है। पहली श्वांस जन्म की, दूसरी श्वांस है जवानी की और तीसरी बुढ़ापे की। इसके बाद जीवन खत्म हो जाता है। इस अवसर पर साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि दिल बड़ा, दिमाग ठंडा, जुबान मीठी अपने दिल को बड़ा रखें, अपने दिमाग को हमेशा ठंडा रखें और अपनी जुबान को हमेशा मीठी बनाए रखें। जिसके पास इन सद्गुणों की दौलत है दुनिया में उससे ज्यादा सुखी-उससे बड़ा धनवान और कोई नहीं। भगवान महावीर ने हमें ढाई हजार साल पहले यह मंत्र दिया था कि तुम औरों पर नहीं, अपने आप पर अनुशासन करना सीख लो। विहार सेवा का लाभ अनेक श्रावक श्राविकाओं ने लिया।

मंड्या में मुमुक्षुओं का हुआ मंगल भावना समारोह

मंड्या/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन में विराजित साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में मुमुक्षु रुशाली और प्रियल का मंगल भावना समारोह आयोजित किया गया। महिला मंडल ने गीतिका द्वारा अपनी भावनाएं रखी। सभा के अध्यक्ष सुरेश भंसाली और मंत्री विनोद भंसाली ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए मुमुक्षु द्वय को शुभकामनाएं दी। महिला मंडल की मंत्री सरला बोथरा ने मुमुक्षुओं से कहा कि ऐसे संयमी जीवन का अभिनंदन है जो संयम सिद्ध बना दे। साध्वीश्री ने भी वैराग्य के चार प्रकार बताते हुए कहा कि संयम लेने वाले को अपने कल्याण के साथ दूसरों का भी कल्याण करना होता है। उन्होंने लौकिक और लोकोत्तर धर्म का अंतर बताया। त्याग धर्म है, भोग अधर्म है। भगवान की आज्ञा में धर्म अनाज्ञा में अधर्म होता है। जिसका हृदय शुद्ध होता है उसके हृदय में ही धर्म टिकता है इसमें संप्रदाय का लेना-देना नहीं है। साध्वीश्री ने मुमुक्षुओं के प्रति मंगलकामनाएं व्यक्त की।

ब्यावर संघ का स्नेह मिलन 11 को, तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ब्यावर संघ का आगामी रविवार को स्नेह मिलन आयोजित है। बुधवार को स्नेह मिलन की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा और अध्यक्ष पदमचंद बोहरा ने बताया कि इस बार का स्नेह मिलन गोल्डन पॉम रिसॉर्ट में आयोजित है। महामंत्री अरविन्द कोठारी ने बताया कि इस आयोजन में बेंगलूरु में निवास कर रहे ब्यावर के करीब साढ़े पांच सौ परिवारों के सदस्यों के शामिल होने की संभावना है। सहमंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि स्नेह मिलन में विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं, खेलकूद कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। आगामी कार्यकाल हेतु चुनाव अधिकारी पन्नालाल कोठारी के नेतृत्व में नए अध्यक्ष का चुनाव भी किया जाएगा। कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा व कार्यकारिणी सदस्यों के साथ ब्यावर युवा शाखा और महिला विंग के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं ।

दक्षिण भारत दिगम्बर जैन पुरोहित सम्मेलन का हुआ समापन

सम्मेलन में पुरोहितों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रवणबेलगोला। 'विद्वानों, पुजारियों और पुरोहितों का हर जगह सम्मान होता है। पुजारियों को समाज में खास सम्मान दिया जाता है। हमारे पुराने मंदिरों, संस्कृति और विरासत को बचाने में पुजारियों की भूमिका बहुत अहम है और भक्तों की ज़िम्मेदारी है कि वे उनका साथ दें।' यह विचार शहर में आयोजित दक्षिण भारत दिगम्बर जैन पुरोहित सम्मेलन को संबोधित करते हुए स्वस्तिश्री चारुकीर्ति पंडिताचार्य भट्टारक महास्वामीजी ने व्यक्त किए।

बुधवार को श्रवणबेलगोला के भंडारी बसदी परिसर में दो दिनों से चल रहे पांचवें दक्षिण भारत दिगम्बर जैन पुरोहित सम्मेलन के समापन समारोह में भट्टारकजी ने कहा कि जो लोग शहर का भला चाहते हैं, वे भक्तों और समाज के मार्गदर्शक होते हैं। वे ही सभी जीवों के दुखों को दूर करते हैं। पुजारी का काम सिर्फ़ एक पेशा नहीं है। यह एक बड़ा पद है जो समाज का भला चाहता है। श्रवणबेलगोला दक्षिण भारत में जैन धर्म का केंद्र था। यह सभी विद्वानों के लिए ज्ञान का केंद्र था। हमारे पिछले गुरु, कर्मयोगी चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी, विद्वानों और पुजारियों को बहुत महत्व देते थे और उन्हें प्रोत्साहित करते थे।

संतश्री ने पुरोहितों को सलाह दी कि पुजारियों को कभी भिक्षुक नहीं होना चाहिए अपितु स्वयं दान देने में सक्षम होना चाहिए। उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सुरक्षित होना चाहिए। सभी को संगठित होना चाहिए और मिलकर समस्याओं का समाधान खोजना चाहिए। हमें अपने पास मौजूद मौकों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऊँचे स्तर पर पहुँचना चाहिए।

हममें सीखने की इच्छा होनी चाहिए। तभी कोई ज़्यादा ज्ञानी बन पाएगा। इस मौके पर अनेक पुरोहितों का सम्मान भी किया गया।

जीसी सेन्टर में एसबीआई की नई शाखा का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने बेंगलूरु सर्कल की मुख्य महाप्रबंधक जूही स्मिता सिन्हा एवं अन्य महाप्रबंधकों की उपस्थिति में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) सहित कुल 11 शाखाओं का उद्घाटन किया। यह पहल किसी भी भारतीय बैंक द्वारा भारत में समर्पित ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना की दिशा में अपनी तरह का पहला प्रयास है। एसबीआई ने जीसीसी के लिए एक समर्पित संबंध प्रबंधन टीम भी गठित की है, ताकि उनकी विशिष्ट बैंकिंग आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके और निर्बाध सेवा प्रदान की जा सके।

वहीं बैंक ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत कर्नाटक राज्य के विभिन्न जिलों में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के उन्नयन, आईआईएससी मेडिकल स्कूल के भागची पार्थसारथी अस्पताल के ईएनटी विभाग में नैदानिक एवं चिकित्सीय उपकरणों की आपूर्ति, तुमकुर विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में 50,000 वृक्षारोपण अभियान और मद्रास इंजीनियर ग्रुप (एमईजी) एवं सेंटर को एक ई-एम्बुलेंस की आपूर्ति में सहयोग किया है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.